संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 07 जून 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 154 पृष्ठः 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

गोरखपुर में यूपी के सीएम योगी ने सुनीं जनसमस्याएं।

'भारत एक जीवंत लोकतंत्र है'

'भारत के लोकतंत्र को कोई दिल्ली जाकर खुद देख सकता है और अमेरिका उम्मीद करता है कि लोकतांत्रिक संस्थानों की मजबूती को लेकर चर्चा आगे भी होती रहेगी'

भारत के साथ...

= प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अमेरिका दौरा दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए बेहद अहम है

टीम एक्शन इंडिया/वाशिंगटन

अमेरिका ने भारत को जीवंत लोकतंत्र बताकर भारत में लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं को खारिज कर दिया है। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन के समन्वयक जॉन किर्बी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यहां तक कह दिया कि भारत के लोकतंत्र को कोई दिल्ली जाकर खुद देख सकता है।

जॉन किर्बी ने कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है और अमेरिका उम्मीद करता है कि लोकतांत्रिक संस्थानों की मजबूती को लेकर चर्चा आगे भी होती रहेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने दोस्तों के साथ अपनी चिंताओं को जाहिर करते हुए शमार्ता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिका दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि यह दौरा दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए बेहद अहम है। किर्बी ने कहा कि भारत कई स्तरों पर अमेरिका का मजबूत सहयोगी है। शंगरी-ला सम्मेलन में भी अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने ऐलान किया था कि भारत के साथ रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ रहा है।

साथ ही भारत हिंद-प्रशांत महासागर की सुरक्षा के लिए गठित क्वाड का अहम सहयोगी है। ऐसी कई वजहें हैं जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि भारत न सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों, बल्कि बहुपक्षीय संबंधों के लिहाज से भी अमेरिका के लिए अहम सहयोगी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने 21 से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए दोनों देशों के विदेश एवं रक्षा मंत्रालयों की टीमें जुटी हैं। कोशिश यह है कि सामरिक नजरिए से पीएम मोदी की यात्रा अगले 5 दशकों तक याद रखी जाए।

सेना की सप्लाइ चेन मजबूत कर रहा चीन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

अमेरिकी थिंक टैंक चेटहेम हाउस ने दावा किया है कि चीन ने अक्साई चिन तक सड़कें, आउटपोस्ट,हेलिपोर्ट और कैंप बना लिए हैं। चीन का मंशा यहां नया सप्लाई रूट बनाना है। इसके जरिए वह किसी आपात स्थिति में यहां सेना भेज सकता है। चेटहेम हाउस ने पिछले 6 महीने की सैटेलाइट तस्वीरों की एनालिसिस के आधार पर यह रिपोर्ट दी है। अक्साई चिन वह इलाका है जिस पर चीन ने 1962 के युद्ध के बाद से कब्जा कर रखा है। थिंकटैंक ने अक्टूबर 2022 से ही तस्वीरों के जरिए चीन की एक्टीविटीज पर नजर रखी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्साई चिन लेक के पास विवादित इलाके में हेलिपोर्ट बनाया है। चीन यहां 18 हैंगर्स और छोटे रनवे का निर्माण कर रहा है, जहां आपात स्थिति में ड्रोन, हेलिकॉप्टर और फाइटर जेट तक उड़ान भर सकेंगे।

दिल्ली पुलिस ने सांसद बृजभूषण सहित 14 लोगों के बयान दर्ज किए

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की एक टीम ने सोमवार को भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण से जुड़े मामले में 14 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से कुश्ती खिलाड़ी बजरंग पुनिया, साक्षी मालिक और विनेश फोगाट यौन शोषण के मामले में बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। अधिकारियों के अनुसार दिल्ली पुलिस के अधिकारी बृजभूषण सिंह के गोंडा जिले स्थित आवास पर रविवार शाम को पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्य, सुरक्षाकर्मियों और अन्य स्टाफ के बयान लिए। पुलिस ने इनके आधार कार्ड भी प्राप्त किए। बृजभूषण शरण सिंह के करीबी ने इसकी पुष्टि की है।

एनसीबी ने 6 ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मंगलवार को देश में ड्रग्स तस्करी से जुड़े गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 15,000 एलएसडी ड्रग ब्लॉट्स (पाउच या पैकेट) बरामद हुए हैं। एनसीबी ने इसे 20 सालों में सबसे बड़ी जब्ती बताया है। गिरफ्तार हुए तस्कर डार्क वेब के जरिए डील करते थे। वहीं, ड्रग्स की डिलीवरी कूरियर सर्विस के जरिए होती थी। डिप्टी डीजी ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि संदिग्धों की निशानदेही पर 2.5 किलोग्राम मारिजुआना और 4.65 लाख रुपए की नकदी भी जब्त की है। बैंक अकाउंट्स से 20 लाख रुपए भी जब्त किए हैं। सिर्फ 0.1 ग्राम एलएसडी के कॉमर्शियल यूज की अनुमति है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे में बड़ा रक्षा सौदा संभव

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने 21 से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए दोनों देशों के विदेश एवं रक्षा मंत्रालयों की टीमें जुटी हैं। कोशिश यह है कि सामरिक नजरिए से पीएम मोदी की यात्रा अगले 5 दशकों तक याद रखी जाए। इसके लिए सबसे ठोस कदम रक्षा क्षेत्र में उठाने की तैयारी है। यात्रा के दौरान 350 फाइटर जेट इंजनों के भारत में निर्माण का बड़ा रणनीतिक सौदा परवान चढ़ सकता है। अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के बीच समझौते पर 22-23 जून को हस्ताक्षर होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान ही 30 एमक्यू9 आर्म्ड ड्रोन खरीदने की डील भी होने की संभावना है। यह डील करीब 22 हजार करोड़ रुपए की हो सकती है। ऐसे 10 ड्रोन तीनों सेनाओं को मिलेंगे। करीब 2 टन सैन्य साजो-सामान ले जाने में सक्षम ये ड्रोन 48 घंटे तक लगातार उड़ान भरते हुए 6,000 किलोमीटर तक की रेंज में ऑपरेशन कर सकते हैं। सेंसर और लेजर गाइडेड बमों से लैस ये ड्रोन हवा से धरती पर मार करने वाली मिसाइल से भी लैस हैं।

भारत के फाइटर प्रोग्राम के लिए अहम है जेट इंजन डील: भारत में जेट इंजन बनने की डील देश के फाइटर प्रोग्राम के लिए अहम है। इंजन का निर्माण टेक्नोलॉजी हस्तांतरण के जरिये होगा।

स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस में कम शक्ति का इंजन लगता रहा है। मार्क-2 और पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर एमका में इंजन लगेंगे। 1963 के बाद से इस्तेमाल किए जा रहे रूसी मिग फाइटर अगले 3 साल में रिटायर होंगे। तब अमेरिकी इंजन से लैस लड़ाकू विमान तैयार रहेंगे।

मणिपुर में सर्च ऑपरेशन के दौरान फायरिंग, जवान शहीद

टीम एक्शन इंडिया/इंफाल

मणिपुर में सोमवार को हुई हिंसा में घायल एक बीएसएफ जवान रंजीत यादव की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। सेना के स्पीयर कोर ने बताया कि 5 जून को सर्च ऑपरेशन के दौरान स्थानीय लोगों और जवानों के बीच गोलीबारी हुई थी, जिसमें बीएसएफ जवान घायल हो गया था। असम राइफल्स के भी दो जवानों को गोली लगी है। इन्हें एयरलिफ्ट कर मंत्रीपुखरी ले जाया गया। राज्य में कूकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से जातीय हिंसा चल रही है। हिंसा में अब तक 98 लोगों की मौत हो चुकी है, 310 घायल हैं। वहीं, 37 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविर में भेजे गए हैं। हिंसा से 11 जिले प्रभावित हुए हैं। कई जिलों में कर्फ्यू भी लगाया गया है। इससे पहले सोमवार को भड़की हिंसा में काकचिंग जिले के सेरो गांव में कुछ लोगों ने 100 घरों में आग लगा दी थी। इसमें कांग्रेस विधायक रंजीत सिंह का घर भी शामिल है। अमित शाह के दौरे के बाद सुरक्षाबल राज्य में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। 5 जून को 790 हथियार और 10,648 गोला-बारूद बरामद किए गए। इन हथियारों को 3 मई को भड़के जातीय दंगों के दौरान पुलिस से लूटा गया था।

हिंसा जारी

= असम राइफल्स के भी दो जवानों को गोली लगी है। इन्हें एयरलिफ्ट कर मंत्रीपुखरी ले जाया गया

इंटरनेट बैन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची याचिका: हिंसा प्रभावित मणिपुर में इंटरनेट सेवाओं के निलंबन के खिलाफ सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है।

एडवोकेट चोंगथम विक्टर सिंह और बिजनेसमैन मेयेंगबाम जेम्स ने अपनी याचिका में कहा है कि राज्यव्यापी इंटरनेट बंद से उनका जीवन और आजीविका बुरी तरह प्रभावित हुई है।

रक्षा गलियारों में जर्मनी को निवेश करने का न्योता

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, विशेष रूप से औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने के लिए हुई बातचीत

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जर्मन संघीय रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने मंगलवार को मानेकशॉ सेंटर में द्विपक्षीय वार्ता की। जर्मन संघीय रक्षा मंत्री पिस्टोरियस ने मानेकशॉ सेंटर में तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। राजनाथ सिंह और जर्मनी के रक्षा मंत्री ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, विशेष रूप से औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने के लिए बातचीत की। राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु रक्षा गलियारों में जर्मन निवेश के लिए आमंत्रित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय वार्ता करने के लिए दिल्ली

कैंट के मानेकशॉ सेंटर पहुंचने पर जर्मन समकक्ष का स्वागत किया। यहां उन्होंने तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। जर्मन पक्ष की ओर से रक्षा मंत्रालय के राज्य सचिव बेनेडिक्ट जिमर के अलावा वरिष्ठ अधिकारी और भारत में जर्मनी के राजदूत उपस्थित थे। 2015 के बाद से किसी जर्मन रक्षा मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है।

वार्ता

= रक्षा मंत्री ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, विशेष रूप से औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने के लिए बातचीत की

राजनाथ सिंह और जर्मनी के रक्षा मंत्री ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, विशेष रूप से औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने के लिए बातचीत की। राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु रक्षा गलियारों में जर्मन निवेश के लिए आमंत्रित किया।

एनआईए की हरियाणा-पंजाब में 10 ठिकानों पर रेड

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) की फंडिंग करने वालों पर पंजाब और हरियाणा में रेड की है। पंजाब में 9 जगहों और हरियाणा में 1 जगह पर रेड की गई। केटीएफ के लिए फंड जुटाने के अलावा बॉर्डर पार से हथियार, गोला-बारूद और एक्सप्लोसिव की तस्करी की साजिश में शामिल लोगों पर भी ये रेड हुई। हालांकि, अभी तक इसका ब्यौरा सामने नहीं आया है। सूत्रों के मुताबिक केटीएफ की तरफ से पंजाब और हरियाणा में बड़ी वारदातों की तैयारी की जा रही थी। जिसमें धमाकों से लेकर टारगेट किलिंग तक शामिल है। उनके प्लान को डीकोड करने पर एनआईए को पता चला कि कई लोकल लोग उनके लिए फंडिंग कर रहे हैं। कई फंडिंग का जरिया बने हुए हैं।

धरपकड़

= केटीएफ के लिए फंड जुटाने के अलावा एक्सप्लोसिव की तस्करी की साजिश में शामिल लोगों पर भी ये रेड हुई

मणिपुरः इंटरनेट सेवा बंद करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

मणिपुर में लगातार इंटरनेट सेवा बंद करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि 24 दिन से लगातार पूर्ण रूप से इंटरनेट सेवा बंद करना न केवल मनमाना है, बल्कि नागरिक अधिकारों का भी हनन है। यह याचिका वकील चओंगथम विक्टर सिंह और व्यवसायी मयेंगबाम जेम्स ने दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि इंटरनेट बंद करने का असर अर्थव्यवस्था, मानवीय और सामाजिक आवश्यकता के साथ आम लोगों और उनके परिजनों की मानसिक अवस्था पर भी पड़ रहा है। याचिका के मुताबिक इन्टरनेट बंद होने की वजह से लोगों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने, बैंकों से लेन-देन, ग्राहकों का भुगतान करने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

सूरीनाम के प्रेसिडेंट चंद्रिका प्रसाद संतोखी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सूरीनाम के सर्वोच्च नागरिक अवॉर्ड से सम्मानित किया।

ऑपरेशन ब्लू स्टारः खालिस्तान समर्थकों ने लगाए नारे

टीम एक्शन इंडिया/अमृतसर

गोल्डन टेंपल में ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं बरसी पर श्री अकाल तख्त साहिब पर चल रहे अखंड पाठ का भोग डाला गया। अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह कौम के नाम संदेश देते हुए सभी सिखों को एक साथ आने और श्री अकाल तख्त साहिब पर एकत्रित होने की सलाह दी। इसी दौरान खालिस्तान समर्थकों ने खालिस्तान ले कर रहेंगे... के नारे लगाने शुरू कर दिए। जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह का कौम के नाम संदेश हर जगह पहुंचे, इसके लिए बड़ी-बड़ी स्क्रीनें लगाई गई थी।

जत्थेदार ने कहा- इकट्ठे हुए तो सरकार को झुका सकते हैं: जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा- सभी सिख इकट्ठे हो गए तो सरकार को यहां लाकर झुका सकते हैं। 1984 का वृतांत हमें और मजबूत करता है। हमें 1984 जितना अधिक याद करवाया जाएगा, हम उतने ही मजबूत होंगे।

पुलिस ने वीडियो रिकॉर्डिंग की: वहीं, ब्लू स्टार ऑपरेशन के दौरान मारे गए सिखों के परिवारों को सम्मानित भी किया जाएगा। मंगलवार सुबह ही सिख श्रद्धालु इकट्ठा होना शुरू हो गए थे। हाथों में 1984 में हुए ब्लू स्टार ऑपरेशन की तस्वीरें हैं, तो कुछ शांतिमय ढंग से खालिस्तान की मांग के पोस्टर भी थामे बैठे थे। पुलिस ने ब्लू स्टार ऑपरेशन का विरोध करने वालों की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की। गोल्डन टेंपल के बाहर तो पुलिस, कमांडो व अर्ध-सैनिक बल तैनात है। वहीं, गोल्डन टेंपल के अंदर भी पुलिस ने सादे कपड़ों में पुलिस फोर्स तैनात कर रखी गई।

मंत्रिमण्डल की बैठक 100 से ज्यादा पद भरने की मंजूरी, पंचायत चौकीदारों के मासिक मानदेय को 6200 रुपये से बढ़ाकर 6700 रुपये करने का फैसला

पंचायत चौकीदारों, चयनित प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ेगा

टीम एक्शन इंडिया/शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश मंत्रिमण्डल की बैठक में पावर डैवल्पर्ज से राज्य में विभिन्न ऊर्जा परियोजनाओं पर जल उपकर लगाने के बारे में चर्चा के लिए सचिव, ऊर्जा, की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया।जल शक्ति विभाग, वित्त विभाग और विधि विभाग के प्रतिनिधि इस कमेटी में सदस्य होंगे। मंत्रिमण्डल ने कांगड़ा जिला के ज्वालामुखी और फतेहपुर तथा हमीरपुर जिला के भोरंज में प्राथमिक स्तर तक राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल खोलने के लिए निर्माण गतिविधियां आरम्भ करने की

अनुमति प्रदान की। प्रदेश में 13 स्थानों पर ऐसे स्कूलों का निर्माण शुरू करने के लिए कैबिनेट ने पहले ही मंजूरी दे दी है। मंत्रिमण्डल ने कारागार विभाग में जेल वार्डरों के 69 पद भरने का निर्णय लिया। मंत्रिमण्डल ने कारागार विभाग के सोलन जिला स्थित नालागढ़ (किशनपुरा) उप-जेल में विभिन्न वर्गों के 20 पदों को भरने का निर्णय भी लिया। मंत्रिमण्डल ने किरतपुर-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिलासपुर जिला के भघेड़, मण्डी जिला के नेरचौक और कुल्लू जिला के भुंतर में हाईवे-सह-पर्यटक पुलिस थाने खोलने तथा इन थानों को क्रियाशील करने के लिए विभिन्न श्रेणियों के आवश्यक पदों को सृजित करने तथा भरने की अनुमति प्रदान की। मंत्रिमण्डल ने अशंकालिक पंचायत चौकीदारों के मासिक मानदेय को 6200 रुपये से बढ़ाकर 6700 रुपये करने का निर्णय भी लिया। इससे प्रदेश के 3226 पंचायत चौकीदार लाभान्वित होंगे। यह निर्णय 1 अप्रैल, 2023 से लागू होगा। इसके अतिरिक्त पंचायतीराज संस्थाओं के चयनित प्रतिनिधियों के मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय भी लिया।

वाशिंगटन में उड़ रहे 'रहस्यमयी' विमान का फाइटर जेट्स ने किया पीछा

टीम एक्शन इंडिया/वाशिंगटन

अमेरिका के वाशिंगटन क्षेत्र में रविवार को उड़ रहे रहस्यमयी विमान का पीछा अमेरिकी लड़ाकू विमान ने किया। जिस पर भागते वक्त रहस्यमयी विमान अनियंत्रित हो गया और अमेरिकी राज्य वर्जीनिया में क्रैश हो गया। विमान में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। इसकी पुष्टि अधिकारियों ने की है। स्थानीय पुलिस के अनुसार बचावकर्ता जब शेनानडोह घाटी के एक ग्रामीण हिस्से में विमान दुर्घटना के स्थल पर पहुंचे थे तो विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जिंदा नहीं बचा था। अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में सोनिक बूम को उस समय सुना गया, जब फाइटर जेट एक छोटे प्लेन का पीछा कर रहे थे। हालांकि, यह प्लेन बाद में वर्जीनिया में जाकर क्रैश हो गया। अधिकारियों ने बताया कि फाइटर जेट्स के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन उस समय कॉल करता है।

चार की मौत

= स्थानीय पुलिस के अनुसार बचावकर्ता जब शेनानडोह घाटी के एक ग्रामीण हिस्से में विमान दुर्घटना के स्थल पर पहुंचे थे

विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने रोड़ किया जाम

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)
अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने जाम लगा दिया। सूरजमुखी की खरीद एमएसपी पर करने की मांग को लेकर किसान शाहाबाद-मारकंडा में जीटी रोड पर बैठ गए हैं। यह देख पुलिस ने चारों तरफ बैरिकेडिंग कर दी है। मौके पर माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। दोनों तरफ से टकराव के आसार देख पुलिस ने थ्री लेयर सिक्योरिटी तैनात कर दी है। वहीं प्रदर्शन के चलते गुरुद्वारा साहिब से लंगर मंगाया गया है। प्रदर्शन की अगुआई कर रहे किसान नेता गुरनाम चढ़ूनी ने कहा कि जब तक हमारी सूरजमुखी को एमएसपी पर खरीदने की मांग पूरी नहीं होती, तब तक नेशनल हाईवे जाम रहेगा। उन्होंने कहा कि इस बारे में मीटिंग भी हुई थी लेकिन सरकार ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। चढ़ूनी ने कहा कि प्रशासन से बातचीत हो रही है लेकिन सरकार के जवाब देने की वजह से वह भी बेबस हैं। पुलिस प्रशासन ने किसानों को बराड़ा चैक पर रोकने के इंतजाम लिए थे। बराड़ा चैक पर दोनों तरफ बैरिकेड लगाए गए थे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए वहां पर व्रज वाहन को भी तैनात कर रखा था, ताकि आगे बढ़ते किसानों को पानी की बौछार से रोका जा सके। मगर किसानों ने मारकंडा पुल की तरफ से हाईवे जाम कर दिया। किसानों ने सरकार और प्रशासन को 6 जून को नेशनल हाईवे जाम करने की चेतावनी दी थी। आज किसानों के अल्टीमेटम का अंतिम दिन था। जिसके बारे में प्रशासन को भी पता था। अल्टीमेटम खत्म होते ही किसान सड़क पर उतर आए लेकिन पुलिस उन्हें हाइवे पर चढ़ने से नहीं रोक सकी।
सरकार सूरजमुखी को भावांतर योजना के तहत खरीद करने को तैयार है, मगर किसान सरकार का विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि इस योजना से किसानों का प्रति क्विंटल एक हजार से अधिक का नुकसान हो रहा है। इसलिए फसल की एमएसपी पर खरीद हो।
इसको लेकर 2 जून को किसानों ने सड़क जाम की चेतावनी दी, लेकिन डीसी शांतनु शर्मा और एसपी सुरेंद्र सिंह महापंचायत में पहुंचे। उन्होंने किसानों के प्रतिनिधि मंडल को सरकार के साथ बातचीत के लिए अधिकारियों के साथ चंडीगढ़ भेजा था, मगर सरकार से बैठक बेनतीजा रही थी। जीटी रोड़ पर लगे जाम का असर अंबाला में भी देखने को मिला। अंबाला छावनी के माल रोड़ से ट्रैफिक को डैवर्ट किया जा रहा था। यहां तक की जगह-जगह पर पुलिस कर्मचारी तैनात थे और बैरीगेट लगाए गए थे। जीटी रोड़ पर शाहबाद की और जाने वाले वाहनों को डैवर्ट कर साहा कालपी के रास्ते भेजा जा रहा था। इस दौरान तो कुछ वाहन चालक तो डिवाईडर फांदते नजर आए जबकि कुछ यात्री कई किलो मीटर पैदल चलते नजर आए।

किसान आढ़ती एसोसिएशन के बयानों के खिलाफ हुए लामबंद

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)
भारतीय किसान यूनियन द्वारा भी एक प्रेस नोट जारी कर आढती एसोसिएशन द्वारा मीडिया में दी गई अपनी सफाई की खबरों का जवाब दिया गया किसानों ने बताया की यदि आढ़ती एसोसिएशन की माने तब सूरजमुखी की हैफेड द्वारा दोबारा 4800 रुपए प्रति क्विंटल खरीद की जाए और भावांतर योजना के तहत 1000 रुपए प्रति कुंटल दे दिया जाए तब भी 5800 प्रति क्विंटल रेट बनता है जबकि सूरजमुखी का एमएसपी 6400 प्रति क्विंटल है इस हिसाब से 600 रुपए प्रति क्विंटल उस हिसाब से 6000 रुपए प्रति एकड़ का नुकसान होगा यदि भावांतर योजना वाला यह पैसा किसानों को नही मिला तब यह नुकसान 16000 रुपए प्रति एकड़ होगा भावांतर योजना के तहत किसान के पैसे आने की भी कोई गारंटी नहीं है क्योंकि सरकार ने जब यह योजना शुरू की थी तब से लेकर आज तक गोभी, टमाटर और प्याज के पैसे आज तक नहीं आए हैं इस बार फरवरी-मार्च में बिके हुए आलू के पैसे भी आज तक नहीं आए तब आढती एसोसिएशन किस आधार पर भावांतर योजना की मांग कर रही है उन्होंने कहा की आढती एसोसिएशन के द्वारा किसान आंदोलन में भाग लेने की बात बार-बार कहा कहीं जा रही है इस आंदोलन से आढ़तियो को खुद का फायदा था क्योंकि सबसे पहले देश की मंडिया को खत्म किया जाना तय था भारतीय किसान यूनियन यह बताना चाहती है की यह आंदोलन केवल किसानों का नहीं था देश भर की जनता का था क्योंकि इन कानूनों के तहत देश के अनाज पर पूंजीपतियों का कब्जा होने जा रहा था जिसे लेकर सभी देशवासियों ने मिलकर आंदोलन लड़ा और काले कानून को वापस करवाया इन काले कानूनों के कारण आढतियां की खुद की दुकान है बंद होने के कगार पर थी और मंडिया खत्म होने का डर था इस डर के कारण इन काले कानूनों के खिलाफ किसान को आगे लेकर देश की जनता ने लड़ाई लड़ी किसानों ने आगे कहा की हमारे द्वारा मंडी में लगने वाले सभी प्रकार के खर्च जैसे फसल सुखाई सफाई पर लगने वाली लेबर दी जा रही है इसके साथ साथ प्रति एकड़ एक हजार रुपए आढ़त के तौर वसूल रहे है ये हक नही बनता उन्होंने कहा कि यदि आढती एसोसिएशन इतनी ही किसान हितैषी है तो सूरजमुखी के आढ़त के नाम पर बसूले जा रहे 1 हजार रुपए प्रति एकड किसानो के पास छोड़ दे।

8 कभी भी उनको भुला नहीं पाएंगे उनके त्याग वीरता और देश पर मर मिटने के जज्बा को आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेंगे

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) कल्पना चावला बहुत तकनीकी है संस्थान के तत्वधान तत्वाधान धान में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में पौधारोपण का किया गया। इस अवसर पर संस्था की प्रधानाचार्य डॉक्टर बिंदु आनंद ने छात्राओं को पौधों के महत्व व उनकी उपयोगिताओं के बारे में जागरूक किया। उन्होंने पर्यावरण के संरक्षण और और उसकी महत्वता के बारे में छात्राओं को बताया इस अवसर पर विभिन्न विभागाध्यक्षशो, स्टाफ सदस्यों एवं छात्राओं द्वारा भी पौधारोपण किया गया और इस अवसर पर डॉ लाभ सिंह नीरज मिलान, बाबूराम, सतविंदर, रोशन लाल,सरला, डॉ अश्वनी भारद्वाज, डॉ सारिका शर्मा, भीम सिंह,युद्धवीर शर्मा, प्रवीण मित्तल आदि उपस्थित रहे।

इंडो-नेपाल इंटरनेशनल स्पीड व रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में सेंट जोसफ ने दिखाया कमाल

8 विद्यार्थियों ने भागीदारी देते हुए 11 सिल्वर पदक प्राप्त करते हुए दूसरे स्थान पर रहते हुए ट्रॉफी हासिल की

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)
2 मई 2023 को काठमांडू में आयोजित की गई इंडो-नेपाल इंटरनेशनल स्पीड व रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में सेंट जोसफ स्कूल, अंबाला व लालडू के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी देते हुए 11 सिल्वर पदक प्राप्त करते हुए दूसरे स्थान पर रहते हुए ट्रॉफी हासिल की। इस प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब के साथ-साथ कई अन्य राज्यों के स्कूलों ने भी भाग लिया। डायरेक्टर मैम किरण बैनर्जी, डिप्टी डायरैक्टर मैम आशिमा किरण बैनर्जी व प्रिंसिपल मैम अमिता सचदेवा ने विजेता विद्यार्थियों को व कोच साहिल शर्मा को हार्दिक बधाई दी तथा उनके इस प्रयास को सराहते हुए भविष्य में भी उन्हें इस प्रकार के प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

सीबीएसई ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र को 10वीं और 12वीं के परीक्षा रिजल्टों के आधार पर एक्सीलेंट ग्रेडिंग दी

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सीबीएसई ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र को 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों के आधार पर एक्सीलेंट ग्रेडिंग दी है। सीबीएसई द्वारा एक्सीलेंट करार दिये जाने से गुरुकुल परिवार में उत्साह का माहौल है, निदेशक कर्नल अरुण दत्ता ने जानकारी देते हुए इसे विद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि बताया और पूरे स्टाफ को इसके लिए बधाई दी। निदेशक कर्नल दत्ता ने बताया कि इसका खुलासा सी.बी.एस.ई. के सरस पोर्टल पर उपलब्ध गुरुकुल कुरुक्षेत्र के आंकड़ो से हुआ। दरअसल, सीबीएसई ने वर्ष 2016 से 2022 तक गुरुकुल कुरुक्षेत्र में 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों का विवरण पोर्टल पर अपलोड किया है जिसमें पिछले 7 वर्षों में 10वीं और 12वीं में उत्तीर्ण हुए छात्रों की परसेंटेज देखते हुए गुरुकुल को यह सम्मान दिया है। वर्ष 2016 से 2022 तक गुरुकुल में 10वीं में 1390 और 12वीं में 1043 छात्रों ने सीबीएसई की परीक्षाएं दीं जिनमें सभी छात्र उत्तीर्ण हुए। 10वीं और 12वीं के शत-प्रतिशत परीक्षा परिणामों के आधार पर सीबीएसई ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र को एक्सीलेंट ग्रेड प्रदान किया, जो एक बड़ी बात है। बता दें कि महामहिम राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत जी के मार्गदर्शन और निदेशक कर्नल अरुण दत्ता जी के दिशा-निर्देशन में गुरुकुल कुरुक्षेत्र नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है।
एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा लगातार पांच वर्षों तक हरियाणा का नंबर वन आवासीय विद्यालय होने के साथ-साथ इस बार गुरुकुल को देश की धरोहर में शामिल नंबर वन विद्यालय घोषित किया गया। वहीं एनडीए की फाइनल लिस्ट में गुरुकुल के छात्र आयूष कुमार ने देशभर में पांचवी रैंक और टीईएस की फाइनल लिस्ट में भी गुरुकुल के लव मलिक ने आल इंडिया में 5वीं रैंक प्राप्त कर गुरुकुल की ख्याति में वृद्धि की। अब, सीबीएसई द्वारा एक्सीलेंट ग्रेड दिये जाने से पूरा गुरुकुल परिवार खुशी से गदगद है।

8 सीबीएसई ने वर्ष 2016 से 2022 तक गुरुकुल कुरुक्षेत्र में 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों का विवरण पोर्टल पर अपलोड किया है

सन्त कबीर जयंती-पर्यावरण दिवस पर आयोजित की संगोष्ठी

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने अग्रोहा धाम सेक्टर. 12 में सन्त कबीर जयन्ती व विश्व पर्यावरण दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें परिषद् के प्रान्तीय मार्गदर्शक व हरियाणा साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ.पूर्णमल गौड. को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए व इस गोष्ठी की अध्यक्षता की प्रान्तीय उपाध्यक्ष रामधन शर्मा ने की। अतिथि सत्कार, पुष्पांजलि अर्पण व कबीरवाणी गायन के उपरान्त परिषद सचिव विकास मंगला ने गोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए बताया कि कबीर के कान्तिकारी विचार वर्तमान में अत्यंत प्रासंगिक हैं। पर्यावरण संरक्षण की समस्त विश्व में महती आवश्यकता है। परिषद के कोषाध्यक्ष व स्टेट बैंक आफ इंडिया के पूर्व मुख्य प्रबन्धक अरुण गुप्ता ने विभिन्न वाद्ययंत्रों पर कबीर के दोहों का सस्वर गायन किया। जिसमें उनकी पत्नी सीमा ने साथ दिया। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में रामधन शर्मा ने सन्त कबीर की रचना बीजक से चुनी श्रेष्ठ रचनाओं का वाद्ययंत्र के साथ प्रस्तुतीकरण किया व कबीर जीवन व पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डाला.मुख्य अतिथि डा.पूर्णमल गौड. ने सन्त कबीर के जीवन,दर्शन, सिद्धांत, शिक्षाओं,सामाजिक कुप्रथाओं,रूढ़ियों,जातिवाद, हिन्दू मुस्लिम विवादों व ऐकता,प्रेम महत्ता,आडम्बरों पर विशद व्याख्यान दिया।

8 कबीर के कान्तिकारी विचार वर्तमान में अत्यंत प्रासंगिक हैं। पर्यावरण संरक्षण की समस्त विश्व में महती आवश्यकता है

यातायात नियमों की पालना करना अच्छे चालक का गुण : रोशन लाल

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)
जिला पुलिस द्वारा स्कूलों तथा कॉलेजों व अन्य शैक्षणिक संस्थानों में जाकर यातायात नियमों की पालना करने के लिए आमजन को जागरुक किया जा रहा है। 6 जून 2023 को पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र श्री सुरेन्द्र सिंह भोरिया के आदेशानुसार जिला यातायात कोर्डिनेटर उप निरीक्षक रोशन लाल ने हरियाणा रोडवेज में भारी वाहन ड्राईविंग लाईसैंस की ट्रैनिंग लेने आये वाहन चालको को यातायात नियमों की पालने करने बारे जागरुक किया गया।
हरियाणा रोडवेज कुरुक्षेत्र में प्रशिक्षणार्थियों को ट्रैफिक नियमों के बारे में जानकारी देते हुए ट्रैफिक पुलिस के कोर्डिनेटर उप निरीक्षक रोशन लाल ने कहा कि नियमो के अनुसार चलना ही अच्छे चालक का गुण है क्योंकि वाहन चालक पर कई परिवारों की जिम्मेवारी होती है। वह चालक चाहे रोडवेज की बस का हो या किसी प्राइवेट वाहन का उस पर अपनी तथा दूसरों की जान बचाने की जिम्मेवारी होती है। एक चालक की जरा-सी लापरवाही से किसी का घर बर्बाद हो सकता है इसलिए वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही चलना चाहिए। आज आप लोग भारी वाहन चालक का प्रशिक्षण प्राप्त करने आयें हैं,आप का कर्तव्य बनता है कि आप सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का ध्यान रखें। एक अच्छा चालक किसी भी प्रकार के नशे दूर रहता है।एक अच्छा चालक बनकर अपने तथा दूसरों के परिवारों की सुरक्षा करें।
इस मौका पर ट्रैनिंग ईंचार्ज सुरेन्द्र कुमार, सतपाल, चालक जोगिन्द्र सिंह, राजेश कुमार तथा काफी संख्या में चालक प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में पेचवर्क के नाम पर की खानापूर्ति

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर
बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में सड़कें कई जगहों से बुरी तरह से उखड़ चुकी हैं। जिस वजह से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या गंभीर होने के बाद अब एचएसआईआईडीसी विभाग द्वारा क्षतिग्रस्तों सड़कों पर पेचवर्क के नाम पर खानापूर्ति कर दी गई है। औद्योगिक क्षेत्र में जिन सड़कों पर पेचवर्क कराया, उनमें से अधिकांश पर अब रोड़े और मिट्टी उखड़नी शुरू हो गई है। एमएसएमई औद्योगिक एसोसिएशन बड़ी के प्रधान नवीन कौशिक ने बताया कि पिछले दिनों उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। उनके आगमन से पूर्व एचएसआईआईडीसी विभाग के अधिकारियों ने उनके रूट में आने वाली टूटी सड़कों पर पेच वर्क के नाम पर खानापूर्ति करवा दी गई। इसके अलावा बाकी सड़कों की हालत ज्यों की त्यों बनी है। इस बारे में जब भी अधिकारियों से बात की जाती है तो वह हर बार जल्द ही काम शुरू करवाने की आश्वासन देते रहते हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री को भी इस संबंध में लिखित में शिकायत दी है।

भाविप के शिविर के दूसरे दिन बच्चों को सिखाया वैदिक गणित

8 माता पिता व गुरू जनों के सम्मान करने जैसे संस्कारों से सुसज्जित जीवन जीने की कला बताई

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) भारत विकास परिषद महर्षि दयानंद शाखा अम्बाला शहर द्वारा केपीएके महाविद्यालय में आयोजित बाल संस्कार शिविर के दूसरे दिन महिला एवं बाल विकास संयोजिका रचना गुप्ता के नेतृत्व में महिला मंडल से सरोज अग्रवाल ने बच्चों को सफल जीवन के लिए प्रेरणा दायी प्रसंग सुनाए। नीलकमल खेड़ा ने बच्चों को आर्थिक तंगी में भी खुश रहने के गुर बताते हुए माता पिता व गुरू जनों के सम्मान करने जैसे संस्कारों से सुसज्जित जीवन जीने की कला बताई । मीना गर्ग ने बच्चों को वैदिक गणित के बारे में शिक्षा दी । रचना गुप्ता व प्रियंका अग्रवाल ने बच्चों को गेम्स खिलाई। बच्चों ने देशभक्ति के गीत सुनाए । सचिव राकेश मक्कड़ ने बताया कि शिविर के तीसरे व अंतिम दिन महापुराण रामायण पर प्रसंग, एरोबिक्स, प्रश्नोत्तरी, प्रांतीय महिला एवं बाल विकास संयोजिका डॉ अंजलि भारती का उद्बोधन शामिल रहेगा। आज के शिविर में डॉ किरण आंगरा,रजनी गुलाटी, शिवानी जिन्दल, श्वेता आनंद, मीनू एबट व मिनी शर्मा मौजूद रहे । स्कूल प्रिंसिपल रेखा गोयल ने परिषद की महिला मंडल द्वारा शिविर संचालन की सराहना की । यह जानकारी प्रैस सचिव श्रीकृष्ण सैनी ने सांझा करते हुए बताया कि शाखा अध्यक्ष अजय अग्रवाल के नेतृत्व में दिन प्रतिदिन समाज सेवा के हर क्षेत्र में कार्य कर रही है व जून व जुलाई मास में नियमित प्रकल्पों के साथ पर्यावरण हेतु पौधारोपण व सड़क सुरक्षा के प्रकल्प किए जाएंगे।

अग्रवाल धर्मशाला सोनीपत में नेत्र चिकित्सा कैंप मे 170 मरीजों की हुई जाँच

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
सोनीपत की अग्रवाल धर्मशाला गुड़ मंडी में दी महाराजा अग्रसेन समिति के सौजन्य से नेत्र चिकित्सा कैंप लगाया गया जिसमें की गुरुग्राम इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय से डॉक्टरों की टीम अग्रसेन समिति के सौजन्य से बुलाई गई थी जिसमें की आम जनता अपनी आंखों का चेकअप बिना किसी शुल्क के करवाया और इसमें से 16 मरीजों को मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई जिनमे से 15 मरीजों को टीम के साथ ऑपरेशन के लिए भेजा गया तथा जिनको कोई अन्य बीमारी थी तो उनको फ्री मे दवाइयां दी गई, इस कैंप मे पूर्णता फ्री इलाज किया जाता है और जिन वृद्धों को दवाइयों और अन्य किसी चीज की आवश्यकता होती है उनको बिना किसी शुल्क के प्रदान किया जाता है। इस कैम्प मे मरीजों की शुगर व ब्लड प्रेशर की जाँच मुफ्त मे की गई,प्रधान टीकाराम मित्तल ने बताया की हर महीने के पहले मंगलवार को यह कैम्प लगाया जायेगा,संजय सिंगला ने बताया की आज इस कैम्प मे 170 मरीजों ने जाँच करवाई,जिसमें महाराजा अग्रसेन समिति के सदस्य सभी एकजुट होकर आम जनता की सेवा करते हैं।
और महीने के पहले मंगलवार को नेत्र चिकित्सा कैंप लगाया जाता है जिससे कि गरीबों और वृद्धों का इलाज फ्री में किया जा सके।

Change of Name
I Jyoti Bhatt S/o Mohan Lal Bhatt R/o 16, Sainasari, Sarot, Tehri Garhwal, Uttarakhand-249132, have changed my name to Kanhaiya Bhatt

कुमाऊं विवि के फार्मास्यूटिकल साइंस विभाग को मिली 64वीं रैंक

8 शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ रैंकिंग में उत्तराखंड राज्य से स्थान पाने वाला यह एक मात्र संस्थान है

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
कुमाऊं विश्वविद्यालय के सर जेसी बोस परिसर में संचालित फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग को इस वर्ष भी एनआईआरएफ रैंकिंग में 64वीं रैंक प्राप्त हुई है।
विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता सिंह ने इस उपलब्धि पर कहा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ रैंकिंग में उत्तराखंड राज्य से स्थान पाने वाला यह एक मात्र संस्थान है और देशभर के अग्रणी संस्थानों में इस वर्ष 64वें पायदान पर है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी का आभार जताया।

कुमाऊं विवि में ग्रीष्मावकाश घोषित

कुमाऊं विश्वविद्यालय में ग्रीष्मावकाश घोषित हो गया है। कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय में आगामी 21 जून से 30 जून तक 10 दिन का ग्रीष्मावकाश रहेगा। इसके अलावा नियमित प्राध्यापकों को 20 दिनों का प्रतिकर अवकाश भी दिया जाएगा। इसका उपभोग 30 जून 2024 तक किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय ग्रीष्मावकाश के बाद एक जुलाई को खुलेगा।

माऊं विवि ने परीक्षा परिणाम किए घोषित

कुमाऊं विवि ने मंगलवार को एमए अंग्रेजी व समाजशास्त्र के पहले, एमएससी पर्यावरण विज्ञान के पहले व तीसरे, एम-फार्मा के सातवें तथा बीएससी वन विज्ञान विभाग के पहले, तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। विवि के उप परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परीक्षार्थी अपना परीक्षाफल विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉग इन करके तथा अपने परिसर व महाविद्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं।

दबंगई दिखाई तो पुलिस ने काट दिया चालान

8 सपरिवार गंगा नहाने आए एक युवक ने खुद को दिल्ली पुलिस का कॉन्स्टेबल बताते हुए जमकर हंगामा काटा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
सपरिवार गंगा नहाने आए एक युवक ने खुद को दिल्ली पुलिस का कॉन्स्टेबल बताते हुए जमकर हंगामा काटा। इसके बाद पुलिस ने युवक का चालान काट दिया है। घटना कनखल थाना क्षेत्र स्थित विश्वकर्मा घाट की बताई जा रही है।
चार धाम यात्रा और गर्मी की छुट्टियों के चलते इन दिनों हरिद्वार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में धर्म नगरी हरिद्वार की सड़कों पर जगह-जगह जाम की स्थिति बनी हुई है। लोगों को कई घंटे जाम में फंसकर घंटों पसीना बहाना पड़ रहा है। जिसे लेकर यातायात पुलिस भी लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में दिल्ली से परिवार के साथ नहाने आए एक युवक ने अपनी कार सड़क पर खड़ी कर दी और परिवार के साथ गंगा नहाने चला गया। मौके पर पहुंची यातायात पुलिस ने इस कार का चालान काटना चाहा तो युवक ने खुद को दिल्ली की यातायात पुलिस का सिपाही बताते हुए जमकर हंगामा किया। हंगामा बढ़ते देख मौके पर अन्य पुलिसकर्मी भी पहुंच गए। इस दौरान युवक ने रौब गालिब करते हुए खुद को दिल्ली का कांस्टेबल बताते हुए यातायात महिला कांस्टेबल के साथ अभद्रता भी की।
इसके बाद यातायात पुलिस ने युवक की गाड़ी का चालान कर दिया। इसी के साथ यातायात पुलिस की महिला सिपाही की ओर से मामले की लिखित शिकायत दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

काठगोदाम रेलवे स्टेशन के स्टेशन सुपरिटेंडेंट बने डीएस बोरा

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
काठगोदाम रेलवे स्टेशन के दुर्गा सिंह बोरा नए स्टेशन सुपरिटेंडेंट (एसएस) बनाए गए हैं।
एसएस बोरा अभी तक हल्द्वानी स्टेशन में तैनात थे। वहीं, काठगोदाम स्टेशन में तैनात चयन राय को हल्द्वानी स्टेशन में तैनाती दे दी गई है।
डीएस बोरा ने बताया कि काठगोदाम स्टेशन में यात्रियों को बेहतर सुविधा देना व स्टेशन की साफ सफाई व ट्रेनों का संचालन और बेहतर करना उनकी प्राथमिकता में है।

शिक्षा विभाग और डेवलपमेंट कंसोर्टियम के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

8 अनामिका श्रीवास्तव ने बताया कि डेवलपमेंट कंसोर्टियम और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच सहयोग का लक्ष्य है

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
शिक्षा विभाग और डेवलपमेंट कंसोर्टियम (डीसी) ने उत्तराखंड में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू पर स्कूल शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी और डेवलपमेंट कंसोर्टियम की संस्थापक व सीईओ अनामिका श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर डीसी की सीईओ और संस्थापक अनामिका श्रीवास्तव ने बताया कि डेवलपमेंट कंसोर्टियम और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच सहयोग का लक्ष्य है। सभी छात्रों के लिए समावेशी और समान शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ शैक्षिक कार्यक्रमों को संरेखित करना है। एमओयू के तहत डेवलपमेंट कंसोर्टियम उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर संस्थानों को मजबूत बनाने, शिक्षा प्रणाली के लिए शिक्षकों को सक्षम बनाने और गुणवत्ता सामग्री की पहुंच को बढ़ाने के लिए डिजिटल टूल और प्लेटफॉर्म बनाने के लिए मिलकर काम करेगा। संगठन शिक्षकों के प्रशिक्षण और पेशेवर विकास को भी बढ़ावा देगा।
उन्होंने कहा कि हम शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उत्तराखंड में स्कूल शिक्षा विभाग के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित हैं। इस सहयोग के माध्यम से हमारा लक्ष्य शिक्षा के लिए ऐसा अनुकूल माहौल बनाना है, जो छात्रों के समग्र विकास का पोषण करे और उन्हें जीवन कौशल के साथ सक्षम बनाए।

सीडीओ मनीष कुमार ने 33 शिकायतों का किया निस्तारण

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
जिले के प्रतापनगर के ब्लाक सभागार में मंगलवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस में सीडीओ मनीष कुमार ने 33 शिकायतों का निस्तारण करते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतकताओं की समस्याओं का हर हाल में 15 दिन के भीतर समाधान करने के निर्देश दिए।
सीडीओ ने कहा कि विभागीय अधिकारी अपने विभाग की सटीक जानकारी जन-जन तक प्रसारित करने का काम करें। इससे शिकायतें नहीं आएंगी। अधिकारी शासन स्तर की समस्याओं के लिए शासन से त्वरित पत्राचार करना भी सुनिश्चित करेंगे। शिकायतों में ग्राम बनाली के दिलमोहन सिंह रावत ने बनाली चोलंग पेयजल योजना के खस्ताहाल होने की शिकायत की। जिस पर जल संस्थान को एक सप्ताह में निस्तारण कर स्पष्ट आख्या उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराने को कहा गया। ग्राम हलेय के उम्मेद सिंह ने चेकडैम व सुरक्षा दीवार लगाने की मांग कर कास्तकारों की भूमि को बचाने की अपील की। जिस पर सीडीओ ने कृषि अधिकारी व बीडीओ प्रतापनगर को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिये। ग्राम बैसाड़ी के सुमेर सिंह रावत ने ग्राम पंचायत बैसाड़ी में विकास कार्यों को कराये जाने की मांग की। ग्राम पंचायत दीनगांव के प्रधान नरेन्द्र सिंह कैन्तुरा एवं ग्रामवासियों ने खेल मैदान बनाये जाने की मांग की। जिस पर जिला युवा कल्याण अधिकारी को कार्य करने के निर्देश दिए। प्रतापनगर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के प्रधानों ने लम्बगांव से प्रतापनगर बस सेवा शुरू करने की मांग की। जिस पर एआरटीओ को व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गये।

मीनाक्षी आर्या को भीम आर्मी के सदस्यों ने दी शुभकामनाएं

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
सिविल सेवा परीक्षा में 444 रैंक पाने वाली मीनाक्षी आर्या को भीम आर्मी के सदस्यों ने शुभकामनाएं दी हैं।
मंगलवार को भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष नफीस अहमद खान के नेतृत्व में जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा निवासी मीनाक्षी आर्य पुत्री दीवान आर्य को फूलमाला पहना कर उनका स्वागत किया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान हरीश लोधी, ललित प्रसाद, देव राम आदि मौजूद रहे।

गुरु हरगोबिंद साहिब का मनाया प्रकाशोत्सव

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
सिखों के छठे गुरु गुरु हरगोबिंद साहिब के प्रकाशोत्सव पर कनखल स्थित निर्मल संतपुरा आश्रम गुरुद्वारे में मंगलवार को कीर्तन दरबार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाई ब्रह्मजोत सिंह ने कीर्तन सुनाकर श्रद्धालुओं को निहाल किया। इस दौरान रहरास साहिब का पाठ, लडीवार गुरबाणी कथा का भी आयोजन किया गया।
इस अवसर पर निर्मल संतपुरा आश्रम के संचालक संत जगजीत सिंह शास्त्री ने कहा कि गुरु हरगोबिन्द साहिब बहुत परोपकारी योद्धा थे।
उन्होंने शास्त्र और शस्त्र की शिक्षा ली। उनका जीवन दर्शन जन-साधारण के कल्याण से जुड़ा हुआ था। जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई और लोगों को शिक्षित किया। उन्हें बंदीछोड़ दाता भी कहा जाता है। सिख लहर को प्रभावशाली बनाने में गुरु हरगोबिंद साहिब का अद्वितीय योगदान रहा।

अभिनेत्री माहिरा शर्मा ने परमार्थ की गंगा आरती में किया सहभाग

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती से टीवी अभिनेत्री माहिरा शर्मा ने भेंट कर आशीर्वाद लिया तथा परमार्थ निकेतन की विश्व विख्यात गंगा आरती में सहभाग किया। माहिरा ने विश्व शांति हवन में पूणार्हुति समर्पित की और स्वामी चिदानन्द सरस्वती की प्रेरणा से अपने कार्यों के माध्यम से समाज में जल और पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया।
स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि वर्तमान समय में आवश्यकता है समाज सुधार के साथ युवाओं को जल और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए फिल्में और संदेश प्रसारित किये जाएं। वर्तमान समय में फिल्म मेकर फिल्मों के माध्यम से जनसमुदाय को सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रयासरत हैं परन्तु अब पर्यावरण के विषयों पर ध्यान केन्द्रित करने वाले संदेशों को प्रसारित करने की आवश्यकता है।
स्वामी ने कहा कि हम सभी को अपने-अपने कार्यों से व्यापक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित करना होगा। स्वामी ने कहा कि फिल्में, सिनेमा और सोशल मीडिया की भूमिका समाज के संतुलन और असंतुलन दोनों स्थितियों में महत्वपूर्ण होती हैं। हमें विवेकवान और विचारवान पीढ़ियों के निर्माण के लिए संतुलित और सकारात्मक भूमिका निभानी होगी,
तभी विचारशील और समृद्ध भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

सीग्राम के रॉयल स्टैग ने अपना नया लाइव इट लार्ज कैंपेन शुरू किया

देहरादून। सीग्राम का रॉयल स्टैग हमेशा से ही सपनों को नए पंख लगाने उन्हें पूरा करने और बिंदास जिंदगी जीने की भावना मिसाल रहा है। यह साल बेहद खास है क्योंकि ब्रांड नए लाइव इट लार्ज कैंपन के लांच के साथ एक महा बदलाव की यात्रा पर है यह कैंपेन आज की जनरेशन की भावना और नजरिये को दशार्ता है यह जनरेशन विशाल है जो कामयाबी के रास्तों की नई परिभाषा गढ़ने का प्रयास करती है इस प्रभावशाली नए कैंपेन में आपको बॉलीवुड के पावरहाउस सुपरस्टार रणवीर सिंह नजर आएंगे जो आज न केवल देश से सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं बल्कि अपनी जनरेशन के बेस्ट एक्टरों में भी उनका नाम लिया जाता है ब्रांड के कैंपेन के नजरिये को दशार्ते हुए हम इसे संपूर्ण चाहते हैं हम इसे आज चाहते हैं। हम हैं जनरेशन लार्ज। रणवीर रॉयल स्टैग की उभरती नई फिलोसफी को अच्छी तरह से चित्रित करते हैं यह हमारी जिंदगी है। हम इसे बिंदास जीते हैं। इस फिल्म में आपको अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी जैसे कि सूर्यकुमार यादव और एबी डीविलियर्स भी नजर आएंगे।
पर्नोड रिकार्ड इंडिया के सीएमओ कार्तिक मोहिंद्रा ने नए ब्रांड कैंपेन के लॉन्च पर कहा रॉयल स्टैग हमेशा से युवाओं के बीच लोकप्रिय ब्रांड रहा है जो हमें जिंदगी को बिंदास तरीके से जीने के लिए प्रेरित करता है। हमारा नया कैंपेन आज की जनरेशन की भावना को दशार्ता है जो पीछे हटना नहीं जानती आत्म-विश्वास से भरी है और जिंदगी के अनुभवों को अधिकतम करना चाहती है नया कैंपेन एक विशिष्ट और युवा पहचान को दशार्ता है जो ताजा ऊजार्वान और सबसे महत्वपूर्ण बात कि यह इस नई जनरेशन, जनरेशन लार्ज के व्यवहार का प्रतीक है यह ब्रांड की परिवर्तनकारी यात्रा को और गति देगा क्योंकि यह कैटेगरी लीडर से एक कल्चरल आइकन के रूप में आगे बढ़ता है, जो कि दशार्ता है कि हम पनोर्ड रिकार्ड में अधिक बड़ा बोल्ड और बेहतर होने के लिए जाने जाते हैं वास्तव में इस कैंपेन में ब्रांड को नए बुलंदियों पर पहुंचाने और नए मोर्चों को जीतने के लिए सब कुछ है।
ब्रांड एंबेसडर सुपरस्टार रणवीर सिंह ने कहा मैं पूरे दिल से रॉयल स्टैग के नए लिव इट लार्ज फिलोसफी को प्रतिध्वनित करता हूं। यह मेरी जिंदगी की फिलोसफी भी है। यह हर पल को जीने और उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बारे में है। यह देखना आश्चर्यजनक है कि रॉयल स्टैग जैसा प्रतिष्ठित ब्रांड अपने दर्शकों के साथ पूरी तरह से जुड़ने के लिए समय के साथ कैसे अपना विकास कर रहा है। कैंपेन फिल्म यूथफुल और एनर्जेटिक है, यह मेरे जिंदगी जीने के तरीके का एक सच्चा प्रतिबिंब है।

सेल्टोस ने सिर्फ 46 महीनों में पार किया 5 लाख वाहनों की बिक्री का आंकड़ा

देहरादून। भारत की सबसे पसंदीदा एसयूवी और किआ इंडिया की पहली और सबसे ज्यादा बिकने वाली प्रीमियम एसयूवी, सेल्टोस ने अपने लॉन्च के सिर्फ 46 महीनों के भीतर ही 5 लाख के बिक्री आंकड़े को पार कर लिया है। आइकॉनिक ब्रांड और ऑरीजनल बैडआस के रूप में विख्यात सेल्टोस ने अगस्त 2019 में किआ के भारत में प्रवेश के साथ अपने सफर की शुरूआत की थी। इसके बाद से सेल्टोस ने एसयूवी सेगमेंट को नए सिरे से परिभाषित किया है और ग्राहकों को कई नए फीचर्स उपलब्ध कराए हैं। ह अपने ढेरों सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स, दमदार पर्फोर्मेंस, क्लास-लीडिंग कनेक्टिविटी और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन के साथ भारत के ऑटोमोटिव उद्योग का चमकता सितारा बन चुकी है। किआ इंडिया के एमडी एवं सीईओ श्री ते-जिन पार्क ने कहा कि सेल्टोस की सफलता एक असाधारण उत्सव है। यह उस मानवीय सोच को दशार्ती है, जो सर्वश्रेष्ठ होने से कम किसी और चीज को नहीं मानती है। यह इस बात का प्रतीक है कि जब जुनून इनोवेशन से मिलता है, और सपने वास्तविकता से मिलते हैं, तब क्या होता है।

मासिक आध्यात्मिक कार्यक्रम में भक्ति रत्नों द्वारा श्रद्धालुओं के अंत:करण को किया गया तरंगित

देहरादून: दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) द्वारा दिव्य धाम आश्रम, दिल्ली की पवित्र भूमि पर मासिक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आध्यात्मिक ज्ञान रत्नों से लाभान्वित होने के लिए बड़ी संख्या में भक्त एकत्रित हुए। भक्तिमय रचनाओं की श्रृंखला ने पावन व भक्ति तरंगों से प्रत्येक तन, मन और आत्मा को तरंगित किया। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक व संचालक, डीजेजेएस) के प्रचारक शिष्यों ने भक्तों के जीवन से अनेक प्रेरणादायक दृष्टांतों का उल्लेख किया। वर्तमान स्थिति पर रोशनी डालते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि जीवन की इस तेज गति में लोग अत्यधिक व्यस्त हो गए हैं। वे अपनी दिनचर्या में इतने खो गए हैं कि उन्हें इस बात का आभास ही नहीं है कि समय उनके हाथ से लगातार धीरे-धीरे फिसल रहा है। भाग दौड़ भरी ज़िन्दगी की उथल पुथल में उन्हें अपनी आत्मा की आवाज सुनाई नहीं देती, जो भीतर से उन्हें यह संदेश देती है कि थोड़ी देर रुककर, इस मायावी दुनिया से विलग होकर, स्व में स्थित होना सीखें।

केदारनाथ: ऑफलाइन पंजीकरण के लिए तीर्थ यात्रियों को हो रही परेशानी

गुप्तकाशी/टीम एक्शन इंडिया
इस बार की केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए तीर्थ यात्रियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक ओर तीर्थ यात्रियों को कई दिनों के बाद भी हेली सेवा की टिकट नहीं मिल रही हैं, वहीं ऑफलाइन पंजीकरण करवाने के लिए सोनप्रयाग जाना पड़ रहा है। तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण के लिए सोनप्रयाग जैसे व्यस्ततम स्थान का चयन किया गया है, जहां पहुंचने में तीर्थ यात्रियों को गुप्तकाशी मेन बाजार से पांच से सात घंटे का समय लग रहा है। जिस कारण उनका एक दिन पूरा बर्बाद हो रहा है।
दरअसल भारी बारिश और खराब मौसम के चलते सरकार द्वारा आगामी 15 जून तक ऑनलाइन पंजीकरण पर रोक लगाई गई है। लगातार बढ़ती तीर्थ यात्रियों की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने सोनप्रयाग में ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की है। जहां पर यात्री घंटों लाइन में लगकर पंजीकरण करवा रहे हैं।रामपुर के बाद मोटर मार्ग काफी संकीर्ण है। केदारनाथ धाम में जाने वाले तीर्थयात्री सीतापुर और सोनप्रयाग में स्थित पार्किंग में अपने वाहन पार्क करते हैं। वाहन पार्क करके आगे की यात्रा कर रहे हैं। लगातार बढ़ती तीर्थ यात्रियों की संख्या के कारण अब पार्किंग में भी स्थान शेष नहीं है। ऐसे में वाहन चालक राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर आड़े तिरछे में अपने वाहनों को खड़ा कर रहे हैं, जिस कारण तीर्थयात्री घंटों जाम में लगकर सोनप्रयाग पहुंच रहे हैं। इस दौरान तीर्थ यात्रियों को शौचालय के लिए परेशानी देखने को मिल रही है।
स्थानीय व्यवसायी नितिन कुमार कहते हैं कि गौरीकुंड-केदारनाथ या पैदल मार्ग में स्थित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में सामान की आपूर्ति समयबद्ध तरीके से पूर्ण नहीं हो रही है। गौरीकुंड तक पहुंचने वाले ट्रकों को पुलिस प्रशासन द्वारा कई दिनों तक रोका जा रहा है, जिस कारण सामान ढोने वाले वाहन भी सड़क किनारे लगकर जाम को न्योता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन को चाहिए कि प्रत्येक दिन 1 या 2 घंटों के लिए सामान ढोने वाले वाहनों के लिए गौरीकुंड में सामान उतारना नियत कर दें। ऐसे में यह वाहन सामान उतार कर वापस जा सकते हैं। इस कारण जाम की स्थिति कुछ हद तक व्यवस्थित हो सकती है।
उन्होंने बताया कि समय के साथ-साथ फाटा और गुप्तकाशी में भी ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि यह भीड़ तीन स्थानों पर बंट जाए और तीर्थयात्री जाम से भी बच जाए।

एसएसपी ने 45 आरक्षियों को दिए नियुक्ति पत्र

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
टिहरी एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने पुलिस आरक्षी के पदों पर सफल 45 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देकर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने नव नियुक्त आरक्षियों से अपनी सेवा के प्रति समर्पित रहने की अपील की।
एसएसपी ने कहा कि 9 माह के प्रशिक्षण के बाद आरक्षियों की नियुक्तियां होने से थानों में स्टाफ की कमी पूरी होगी। पुलिस कामों में तेजी आयेगी। नियुक्ति मिलने पर सभी 45 आरक्षियों के चेहरों पर खुशी देखी गई। एसएसपी ने सफल अभ्यर्थियों का पुलिस विभाग में स्वागत करते हुए कहा कि सभी सफल अभ्यर्थियों को सर्वप्रथम 10 दिवस का सामान्य प्रशिक्षण जीटीसी कोर्स कराया जायेगा।
जिसमें जवानों को 9 माह के प्रशिक्षण के लिए तैयार किया जायेगा। 9 माह के प्रशिक्षण के दौरान सभी को शारीरिक एवं कानूनी ज्ञान के साथ-साथ साइबर अपराधों के सम्बन्ध में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

गरीबी पर विरोधाभासी आंकड़ें

संपादकीय

भारत अमेरिका मैत्री - दुनियां के लिए अहम संदेश

वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते रुतबे और कद में सफलता का एक और अध्याय जुड़ने जा रहा है, क्योंकि हमारे माननीय पीएम के 21-24 जून 2023 तक अमेरिकी राजकीय दौरे पर होंगे। चूंकि पहली बार अमेरिका की अधिकृत यात्रा पर जा रहे हैं इसीलिए इसकी अहमियत और महत्व बहुत अधिक होगा जिसके सकारात्मक दूरगामी परिणाम आने की पूरी संभावना जताई जा रही है। इसके पहले 2009 में आखिरी राजकीय यात्रा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने की थी। अमेरिका आज एक विकसित देश है तो भारत ने भी कुछ वर्षों से अपनी ताकत रुतबा और शक्ति हर क्षेत्र में दिन दूनी रात चौगुनी कहावत की लाइन में बढ़ाई है। आज भारत की बौद्धिक क्षमता, डिजिटल, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा स्पेस इत्यादि अनेकों क्षेत्रों में विकसित देशों के समकक्ष होने की राह पर है। सबसे बड़ी बात विश्व की दोनों महाशक्तियों के साथ भारत के मधुर संबंध और सामंजस है, इसके साथ ही भारत आज दुनियां की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो अमेरिका सबसे पुराना लोकतंत्र है जो सोने पर सुहागा साबित हो रहे हैं। आज अगर भारत अमेरिका की पक्की मैत्री, अमेरिकन इंडियन भाई भाई की यात्रा शुरू हो गई है तो यह एक और एक ग्यारह वाली बात है, क्योंकि दोनों के पास अपनी अपनी विशेषज्ञता और ताकत है जो एक साथ मिल जाए तो पूरी दुनिया में सुख समृद्धि स्वस्थ शांति बनाने की और महत्वपूर्ण कदम होंगे। यही बात है कि भारत अमेरिका के बीच स्थाई मैत्री का जश्न मनाया जा रहा है और यह सारी दुनियां के लिए एक अहम संदेश भीसाबित होगा, इसकी प्रगाढ़ता का नया अध्याय 21-24 जून 2023 से शुरू होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने और समृद्धि लाने, मिल बैठ चर्चा करेंगे दो यार भारत और अमेरिका। साथियों बात अगर हम पीएम के 21-24 जून 2023 को अमेरिका राजकीय दौरे की खासियत की करें तो पीएम 22 जून को अमेरिकी संसद को संबोधित करने वाले हैं। पीएम अमेरिकी संसद के दोनों सदन-सीनेट और हाउस ऑफ प्रिपेजेंटेटिव को संयुक्त रूप से संबोधित करेंगे। ये पहला मौका है, जब कोई प्रधानमंत्री अमेरिकी संसद को दो बार संबोधित करने जा रहे हैं। पीएम इससे पहले भी अमेरिकी संसद को संबोधित कर चुके हैं.। अमेरिका और भारत के रिश्ते पिछले कुछ सालों में बहुत मजबूत हुए हैं। रक्षा से लेकर व्यापार तक के क्षेत्र में दोनों देश करीब आए हैं दरअसल, सदन और सीनेट दोनों के द्विदलीय नेतृत्व के जरिए समर्थित यूएस हाउस स्पीकर ने पीएम को यूएस कांग्रेस को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया है। वह 22 जून को व्हाइट हाउस भी जाने वाले हैं। दरअसल,पीएम पहले कई मौकों पर अमेरिका का दौरा कर चुके हैं, मगर ये पहला मौका है, जब वह राजकीय दौरे पर अमेरिका जा रहे हैं। पीएम को जो आमंत्रण भेजा गया है, उस पर सीनेट मेजोरिटी लीडर, सीनेट रिपब्लिकन लीडर और हाउस माइनॉरिटी लीडर ने भी साइन किया है। पीएम अमेरिका की संसद में भारत के भविष्य के लिए अपने विजन औरअमेरिका-भारत द्वारा सामने किए जा रहे वैश्विक मुद्दों पर सांसदों को संबोधित करेंगे।

-राजेश माहेश्वरी

भारत चीन से डेढ़ गुना आगे है। जापान भी पीछे छूट गया है। कृषि की अप्रत्याशित विकास दर 5.5 फीसदी सामने आई है, तो 80 फीसदी तक निजी निवेश होटल क्षेत्र में आया है। कपड़ा, सीमेंट, इस्पात में भी निवेश बढ़ा है। सबसे ज्यादा 14 फीसदी बढ़ोतरी दर होटल-ट्रेड क्षेत्र में दर्ज की गई है। मैन्यूफैक्चरिंग, निर्माण, खनन और रियल एस्टेट आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन सवाल है कि इस विकास और अर्थव्यवस्था के विस्तार का फायदा देश के आम आदमी तक क्यों नहीं पहुंचता, ताकि उसकी गरीबी कम हो सके? प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक मंच पर जो बात कही है, उसका ठोस आधार जरूर होगा। देशवासी प्रधानमंत्री मोदी के वादों और वचनों को गंभीरता से लेते हैं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए मोदी सरकार इस दिशा में और ज्यादा बेहतरी के लिए गंभीर प्रयास करेगी।

हमारा देश भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। जीवन के हर क्षेत्र में देश नित नए उपलब्धियां हासिल कर रहा है। बावजूद इसके देश में गरीबी की समस्या के समाधान का कोई ठोस फामूर्ला हमारे पास नहीं है। पिछले 75 सालों में कई दलों की सरकारों ने देश की बागडोर संभाली। हर सरकार ने गरीबी खत्म करने की वायदें किए, लेकिन मामूली सुधार ही इस दिशा में दिखाई दिया। अक्सर देश में यह चर्चा होती है कि देश में गरीबी घटी है या बढ़ी है? असल में यह मसला जहां अर्थशास्त्रियों की बहस का मुद्दा रहा है वहीं दूसरी तरफ देश का आम आदमी भी इस सवाल का जवाब जानना चाहता है। खाासकर तब जब आजादी के बाद से ही देश में हर सरकार गरीबी हटाने को अपना मिशन बनाती रही हैं। लेकिन, 75 साल बाद भी यह ऐसी बहस है जो खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के अजमेर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया है कि भारत में अति गरीबी खत्म होने के बहुत निकट है। विपक्ष प्रधानमंत्री के इस दावे को राजनीति और चुनावी जुमलेबाजी के तौर पर ही ग्रहण करेगा। लेकिन जब देश के प्रधानमंत्री किसी सार्वजनिक सभा में इस बात का दावा कर रहे हैं तो उनके पास उसका पुख्ता आधार और आंकड़ें भी जरूर होंगे। तभी तो प्रधानमंत्री ने इस प्रकार का दावा दिया किया है। 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ के नारे पर चुनाव जीत लिया था। देश में गरीबी 2023 में भी है। 1956-57 में 21.5 करोड़ यानी 80 प्रतिशत आबादी गरीबी थी। 1973-74 में 55 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे आई। 1983 में गरीबी रेखा का आंकड़ा घटकर 45 प्रतिशत पर आया। 1999-2000 में 26 प्रतिशत आबादी गरीब थी। 2011-12 से 21.9 प्रतिशत आबादी गरीबी में रह रही है। गौर करने वाली बात यह है कि गरीबी रेखा का यह आंकड़ा आखिरी बार 2011-12 में ही जारी किया गया था. यानि उसके बाद सरकार की तरफ से गरीबी का आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। पीएम के बयान का घोर विरोधाभास यह है कि आज भी करीब 22 करोड़ भारतीय गरीबी रेखा के तले बताए जाते हैं। भारत सरकार कोई अधिकृत आंकड़ा देने की बजाय छिपाती रही है। वैसे 2022-23 के दौरान गरीब

की जनगणना जारी है। कुछ आंकड़े सार्वजनिक भी हो सकते हैं, लेकिन यह जनगणना 2024 तक चलेगी। तब तक आम चुनाव हो चुके होंगे और नई सरकार बनने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी होगी! भारत में गरीबी के वे आंकड़े सामने हैं, जो आवधिक श्रम बल सर्वे के जरिए सार्वजनिक हुए हैं या संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम अथवा सीएमआईई सरीखे पेशेवर संगठनों की रपटों ने उद्घाटित किए हैं। गरीबी-रेखा के तले जीने वालों की संख्या अधिक होनी चाहिए, क्योंकि कोरोना महामारी के बाद ही 5.60 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे चले गए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 15 सालों में 41.5 करोड़ (415 मिलियन) लोग गरीबी के चंगुल से बाहर निकले हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में 2005-06 से 2019-21 तक गरीबी उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है और यहां गरीबों की संख्या में 41.5 करोड़ की कमी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए 2020 के जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर, दुनिया भर में सबसे ज्यादा गरीब लोग (228.9 मिलियन यानी कि 22.8 करोड) हैं, इसके बाद नाइजीरिया (2020 में लगभग 96.7 मिलियन) हैं। रिपोर्ट के अनुसार विकास के बावजूद भारत की आबादी कोविड महामारी के प्रभाव और बढ़ते खाद्यान्न, ऊंची ऊंची ईंधन कीमतों से जूझ रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में पोषण और ऊर्जा की किल्लतों से जुड़ी समस्याओं पर काम करना सरकार की प्राथमिकता सूची में बरकरार रहना चाहिए। भारत में आंकड़ों पर बहस चलती रहती है। पिछले साल आई वर्ल्ड बैंक की एक स्टडी के मुताबिक 2011 में 22.5 फीसदी गरीबी थी जो 2019 में घटकर 10.2 फीसदी रह गई। यह आंकड़ा आईएमएफ के डेटा से मेल नहीं खाता है। अमेरिका का जाने माने ब्लॉगर-इकनॉमिस्ट नोह स्मिथ ने वर्ल्ड पॉवर्टी क्लॉक और द वांशिंगटन पोस्ट के एक चार्ट का हवाला देते हुए एक चार्ट ट्वीट किया है। इसके मुताबिक भारत में छह साल में गरीबी में भारी गिरावट आई है। 2016 में गरीबों की आबादी 12.4 करोड़ थी जो 2022 में 1.5 करोड़ रह गई है।

पिछले साल लोकसभा में सरकार ने गरीबी को लेकर आंकड़े बताए हैं जो हैरान करने वाले हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने गरीबी से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए बताया कि देश की 22 फीसदी आबादी आज भी गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर कर रही है। जबकि देश की आजादी के वक्त करीब 80 फीसदी आबादी गरीब थी। लेकिन अगर प्रतिशत के इन आंकड़ों को निकाल दें तो पता चलता है कि जिस वक्त देश आजाद हुआ उस वक्त 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे रह रहे थे और आज ये आंकड़ा 26.9 करोड़ लोगों का है। देश में करीब 43 करोड़ श्रमिक हैं। उनमें आधे से कम को ही नियमित रोजगार नसीब है। देश की आबादी 142 करोड़ से ज्यादा हो गई है और विश्व में सर्वाधिक है, लेकिन करीब 41.01 करोड़ लोग ही नौकरीपेशा हैं। यह संख्या घट रही है और बेरोजगारी की दर बढ़ कर 8 फीसदी को पार कर चुकी है। आंकड़ों में पूर्वाग्रह भी संभव हैं, लेकिन प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय का मानना है कि 18 फीसदी आबादी अब भी गरीब है। यदि इन संक्षिप्त विवरणों का विश्लेषण किया जाए, तो अति गरीबी के समापन की संभावनाओं पर बड़े-बड़े सवाल दिखाई देंगे। प्रधानमंत्री एक मोटा-सा खाका देश के सामने पेश कर सकते थे कि अति गरीबी चरणबद्ध तरीके से कैसे खत्म हो सकती है। देश में खरबपतियों की संख्या 160 से ज्यादा हो गई है, लेकिन इसी देश में 50 फीसदी महिलाओं में खून की कमी है। औसतन 6-23 माह की उम्र के सिर्फ 11 फीसदी बच्चों को ही पूरा भोजन नसीब है। शेष कुपोषित और बीमार हैं। बालिग उम्र की 35 फीसदी आबादी को ही नियमित काम उपलब्ध है। शेष दिहाड़ीदार, मजदूर और अनियमित कामगार हैं। इसमें मनरेगा की जमात भी शामिल है, जिसे मजदूरी भी समयानुसार और नियमित नहीं मिलती। इन विरोधाभासों को क्या कहेंगे? बेशक यह खबर सुखद है कि 2022-23 में हमारी आर्थिक विकास दर 7.2 फीसदी रही है। विश्व में यह सबसे अधिक और तेज विकास दर है। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी मात्र एक फीसदी विकास दर हो तरस रहे हैं।

भारत चीन से डेढ़ गुना आगे है। जापान भी पीछे छूट गया है। कृषि की अप्रत्याशित विकास दर 5.5 फीसदी सामने आई है, तो 80 फीसदी तक निजी निवेश होटल क्षेत्र में आया है। कपड़ा, सीमेंट, इस्पात में भी निवेश बढ़ा है। सबसे ज्यादा 14 फीसदी बढ़ोतरी दर होटल-ट्रेड क्षेत्र में दर्ज की गई है। मैन्यूफैक्चरिंग, निर्माण, खनन और रियल एस्टेट आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन सवाल है कि इस विकास और अर्थव्यवस्था के विस्तार का फायदा देश के आम आदमी तक क्यों नहीं पहुंचता, ताकि उसकी गरीबी कम हो सके? प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक मंच पर जो बात कही है, उसका ठोस आधार जरूर होगा। देशवासी प्रधानमंत्री मोदी के वादों और वचनों को गंभीरता से लेते हैं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए मोदी सरकार इस दिशा में और ज्यादा बेहतरी के लिए गंभीर प्रयास करेगी।

-लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

कविता

कुछ बातें सुन ले

कुछ दर्द की बातें गहरी हमसे सुन ले,
कुछ गुफ्तगू नर्गिस ए बीमार से कर ले।

नाविस्त है तेरे हुस्न सा बेहतरीन,
दिल की बातें अब आंखों से कर ले।

मेरी फना पर ना खिलखिलाना तुम,
मेरी मौत का इल्जाम न अपने सर ले।

आओ बैठे जो लम्हे प्यार के पास पास,
जुदाई से पहले दिलों के हिसाब कर ले।

यू ना दिखा नरगिसी तेवर हमें,
आज अपने हुस्न को बेनजीर कर ले।

बेनजीर- अनुपम, नविस्त- लिखावट।

संजीव ठाकुर

नई ऊंचाइयों को छू रहे भारत-नेपाल संबंध !

सुनील कुमार महला

नेपाल भारत का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण पड़ोसी है। भारत के लिए नेपाल का और नेपाल के लिए भारत का बहुत बड़ा महत्व है। दोनों देश नेपाल पांच 1ए850 किलोमीटर से ज्यादा की सीमा साझा करते हैं।भारत के लिए नेपाल का महत्व इसलिए क्यों कि नेपाल पांच भारतीय राज्यों. उत्तराखंडए उत्तर प्रदेशए पश्चिम बंगालए सिक्किम और बिहार के साथ अपनी सीमा साझा करता है। यही कारण है कि नेपाल और भारत एक दूसरे के लिए विभिन्न सांस्कृतिक और आर्थिक आदान.प्रदान के महत्त्वपूर्ण बिंदु रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो सदियों सदियों से चले आ रहे भौगोलिकए ऐतिहासिकए सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों के कारण अपनी विदेश नीति में यह हमारे लिए एक विशेष महत्त्व रखता है। नेपाल का जहां एक ओर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये सामरिक महत्त्व है वहीं दूसरी ओर नेपाल का भारत के साथ रोटी.बेटी का संबंध तक है।

यहां तक कि दोनों देशों के बीच खुली सीमा है और दोनों ही एक दूसरे के साथ निर्बाध आवाजाही तक करते रहे हैं। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि भारत और नेपाल हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म के संदर्भ में बुद्ध के जन्मस्थान लुंबिनी;नेपाल में स्थितद्ध के साथ समान संबंध साझा करते हैं । वास्तव मेंए वर्ष 1950 की शांति और मित्रता की भारत.नेपाल संधि भारत और नेपाल के बीच मौजूद विशेष संबंधों का आधार है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि नेपाल और भारत के संबंध इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्यों कि नेपाल भारत की शिहमालयी सीमाओंश के ठीक बीच में है और भूटान के साथए यह एक उत्तरी श्सीमाश के रूप में कार्य करता है और चीन से किसी भी संभावित आक्रमण के खिलाफ बफर राज्यों के रूप में कार्य करता है। हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड 31 मई से भारत की यात्रा पर आए। नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड की हाल की भारत यात्रा से भारत नेपाल संबंधों को एक नई ऊंचाई मिली हैए क्यों कि पिछले कुछ समय से नेपाल और भारत के संबंधों में सीमा विवाद को लेकर कड़वाहट देखने को मिल रही थी। जानकारी देना चाहूंगा कि लिम्पियाधुरा कालापानी और लिपुलेख के क्षेत्रों को लेकर भारत.नेपाल के बीच विवाद रहा है और प्रचंड के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर शुरूआत में भारत के प्रति रवैये में थोड़ी खटास थीए लेकिन प्रचंड की भारत यात्रा से अब रिश्तों में पुनः गर्माहट आ गई हैए क्यों कि अब दोनों ही देशों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अटूट दोस्ती के बीच सीमा विवाद दरार नहीं बनेगाए यह बहुत ही काबिलेतारिफ बात हैए क्यों कि नेपाल और भारत के सांस्कृतिकए आर्थिकए राजनीतिक यहां तक कि सामाजिक रिश्तों की लंबे समय से एक अलग ही पहचान रही है। हाल ही में एक जून को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ नेपाल के पीएम प्रचंड ने द्विपक्षीय वार्ता की।

विचार

कितनी सफल होगी नीतीश कुमार की विपक्षी एकता मुहिम

रमेश सर्राफ धमोरा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का एक मजबूत मोर्चा बनाने की कवायद में जुटे हुए हैं। इसके लिए नीतीश कुमार देश के विभिन्न क्षेत्रीय दलों के प्रमुखों से मिलकर उन सबको भाजपा के विरोध में एकजुट होने के लिए तैयार कर रहे हैं। नीतीश कुमार का प्रयास है कि मजबूत विकल्प के अभाव में पिछले नौ वर्षों से केंद्र में भाजपा की सरकार चला रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष विरोधी दलों का एक मजबूत विकल्प प्रस्तुत किया जाए। ताकि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को केंद्र की सत्ता से बाहर किया जा सके। नीतीश कुमार ने जब से बिहार में भाजपा से गठबंधन तोड़ा है। उसके बाद से उनका पूरा प्रयास है कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव पर रोक लगाकर उनकी मनमानी को रोका जाए। नीतीश कुमार इस मुहिम में कांग्रेस को भी शामिल करना चाहते हैं। नीतीश कुमार का मानना है कि पहले सभी भाजपा विरोधी दल एक मंच पर आकर चुनाव में भाजपा को हरायें। उसके बाद प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का चयन किया जाएगा। नीतीश कुमार अभी स्वयं को प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से बाहर मान रहे हैं। उनका कहना है कि वह स्वयं प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते हैं। चुनाव के बाद बहुमत मिलने पर सभी विरोधी दलों के नेताओं की सहमति से प्रधानमंत्री का चयन किया जाएगा। नीतीश कुमार इस सिलसिले में बीजू जनता दल के अध्यक्ष व उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, द्रुमक के अध्यक्ष व तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष व तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत ,चौधरी, माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी, भाकपा के महासचिव डी राजा सहित कई अन्य क्षेत्रीय दलों के नेताओं से इस संबंध में मिलकर चर्चा कर चुके हैं। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से भी नीतीश कुमार की विपक्षी एकता को लेकर विस्तृत चर्चा हो चुकी है। भाजपा विरोधी दलों में इस समय नीतीश कुमार ही ऐसे नेता है। जिनके सभी दलों के नेताओं से सौहार्दपूर्ण संबंध है तथा वह सभी से खुलकर बात कर सकते हैं। नीतीश कुमार की मुहिम में अधिकांश राजनीतिक दलों ने उनसे साथ देने का वादा भी किया है। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल, हम सहित कई राजनीतिक दल पहले से ही नीतीश कुमार नीत गठबंधन सरकार में साथ हैं। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, असम से सांसद बदरुद्दीन अजमल की पार्टी ने भी नीतीश की मुहिम में शामिल होने के लिए हां कर दी है। नीतीश कुमार अपने भाजपा विरोधी मुहिम में जुटे हुए हैं। मगर उन्हें बहुत से स्थानों पर सफलता भी नहीं मिल रही है। कहने को तो उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक उनके बहुत ही पुराने घनिष्ठ मित्र हैं। मगर वह नीतीश कुमार की मुहिम में शायद ही शामिल हो। नवीन पटनायक केंद्र की भाजपा सरकार को हर मुद्दे पर साथ देते हैं। इसी तरह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री व वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष जगनमोहन रेड्डी भीं अंततः भाजपा की तरफ ही जाएंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी कांग्रेस के साथ किसी मोर्चे में शामिल होना पसंद नहीं करेंगे।

उन्होंने अपनी पार्टी का नाम बदलकर भारतीय राष्ट्र समिति कर दिया ह। उनका कहना है कि आने वाले चुनावों में वह कई प्रदेशों में अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारेंगे। ऐसे में तेलंगाना में उनकी कांग्रेस से सीधी टक्कर है। इस कारण से उनका नीतीश कुमार के मोर्चे में शामिल होना मुश्किल लग रहा है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)

actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

अपने टैलेंट को कैसे पहचाने?

विजय गर्ग

प्रतिभा आपके पास सबसे मजबूत सार है। प्रतिभा को परिपक्व होने की जरूरत नहीं है। यह ईश्वर प्रदत्त है। हालाँकि, इसे थोड़ा चमकाने की आवश्यकता हो सकती है। हमारी प्रतिभा इसमें निहित है कि हम स्वाभाविक रूप से क्या करते हैं, सोचते हैं या महसूस करते हैं। आपको किसी स्कूल या कोच की जरूरत नहीं है जो आप में कुछ प्रतिभा विकसित कर सके। हमारी प्रतिभा इसमें निहित है कि हम अपने दैनिक जीवन में क्या करते हैं। कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि प्रतिभा पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तान्तरित भी हो जाती है। उदाहरण के लिए, एक गायक के बेटे में भी कभी-कभी अच्छी गायन क्षमता होती है। हमने देखा है कि बहुत से गायकों के बच्चे भी अच्छे गायक होते हैं। लेकिन कभी-कभी किसी व्यक्ति के पास अपने परिवार से बहुत अलग प्रतिभा हो सकती है। एक चित्रकार क्रिकेटरों के परिवार में पैदा हो सकता है। एक प्रतिभा का अनुकरण या गबन नहीं किया जा सकता है। प्रतिभा एक ऐसी चीज है जिस पर हमारा पूरा अधिकार होता है और हमें विश्वास होता है कि इसे हमसे बेहतर कोई और नहीं कर सकता। दुनिया में कई लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें ये तक नहीं पता होता है कि उनका टैलेंट क्या है। इन लोगों को जल्द से जल्द अपने टैलेंट को पहचान लेना चाहिए। अगर हम अपने टैलेंट को जान लें तो हम सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। अपने टैलेंट को पहचानना क्यों जरूरी है? आज हर उद्योग प्रतिभा की मांग करता है, चाहे वह इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी हो, फैशन उद्योग हो, प्रबंधन उद्योग हो या कोई अन्य। प्रतिभा को हर जगह पसंद किया जाता है। कंपनियां कौशल के बजाय अधिक प्रतिभा चाहती हैं। व्यक्ति कोई भी नया हुनर ??सीख सकता है लेकिन वह उसका टैलेंट नहीं बन सकता। प्रतिभा स्वाभाविक है। आपकी प्रतिभा में आपको कुचलना दूसरों के लिए बहुत मुश्किल है।

इसके अलावा, यदि आप अपनी प्रतिभा को अपना पेशा बना लेते हैं, तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। यह आपके वेतन खाते में पूंजी की मात्रा में भारी वृद्धि कर सकता है। अपनी प्रतिभा के साथ काम करने से आपको संतुष्टि और आनंद मिलेगा।

यह तो चीटिंग है

डॉ. सुरेश कुमार

एक व्यंग्यकार दूसरे व्यंग्यकार के खिलाफ थाने में एफ.आई.आर. लिखाने आया। इंस्पेक्टर के पूछने पर उसने बताया - "साहब, यह बदमाश व्यंग्यकार नहीं उचक्का है, उचक्का। उसने मुझे कहीं का नहीं छोड़ा। हम दोनों में तय हुआ था कि दोनों बारी-बारी से एक-दूसरे को एक-एक घंटा सुनाएँगे। पहले कौन सुनाए इस पर हमने सिक्का उछाला। पर मेरा दुर्भाग्य कि पहला नंबर उसका आ गया। बदमाश ने एक घंटे में दो घंटे का मैटर सुनाकर फोन काट दिया। कहने लगा कि सिग्नल प्रोब्लम है। अब वह मेरी सुनने को तैयार ही नहीं है। उस दिन से मैं फोन लगा रहा हूँ। वह उठाने के बजाय मेरा कॉल काटता जा रहा है। गुस्सा तो मुझे बहुत आ रहा है। उसने व्यंग्य के नाम पर एक से एक घटिया रचनाएँ सुनाकर मेरे कान से खून निकाल दिया। वह तो मैं हूँ जो हर दिन पौष्टिक भोजन लेता हूँ। कोई और होता तो कलेजा निकल आता। मूर्छित हो जाता। अस्पताल ले जाते-ले जाते वह बंदा मर जाता। मैंने प्रण लिया है कि जब तक अपनी व्यंग्य रचनाएँ उसे सुना नहीं लेता तब तक मैं चैन की सांस नहीं लूँगा। लेकिन करूँ भी तो क्या करूँ, मैं तो लुट गया। मुझे बचाइए। बदमाश को कहीं से भी ढूँढ़कर लाइए। मैं अनशन पर हूँ। जब तक उसे अपने व्यंग्य सुना नहीं लेता तब तक अन्न-जल को हाथ नहीं लगाऊँगा। फोन की गैलरी में रचनाएँ भरकर घूम रहा हूँ। कसम से एक बार मिल जाए तो सारी की सारी रचनाएँ उस पर दाग दूँ। इंस्पेक्टर साहब मैं आपके हाथ जोड़ता हूँ। पैर पड़ता हूँ। कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हूँ। बस एक बार उसे पकड़कर ले आइए। कीमत का नाम सुनते ही इंस्पेक्टर का रिश्वती जमीर जाग गया। उसने कहा "उठो भैया! धैर्य से काम लो इस संकट की घड़ी में भगवान् का नाम लो। नहीं तो मेरा नाम लो। अभी तो मैं ही तुम्हारा भगवान हूँ। मैं तुम्हारी पीड़ा समझ सकता हूँ। मित्र का छल-कपट अनुभव कर सकता हूँ। मैं उसे हरगिज नहीं छोड़ूँगा। बस हमारी कीमत चुका दीजिए। कीमत का नाम सुनते ही व्यंग्यकार असमंजस में फंस गया। कहा झ यदि मैं कीमत चुकाने की हैसियत रखता, तो व्यंग्यकार हरगिज नहीं बनता। इसलिए मेरी मजबूरी को समझिए। मेरी सहायता कीजिए।

न्यूज फ्लैश

'हैप्पीनेस ट्रक 4.0 ने नालागढ़, बद्दी, करनाल और नई दिल्ली में उत्साह बढ़ाया

नई दिल्ली। एनबीसी बियरिंग्स - सीके बिड़ला ग्रुप द्वारा प्रस्तुत और वॉल्वोलाइन कमिंस द्वारा संचालित तथा मोटरइंडिया द्वारा आयोजित अपनी तरह का एकमात्र 'हैप्पीनेस ट्रक 4.0', बड़े जबरदस्त रोमांच और समारोहपूर्वक कश्मीर से सहर्ष रवाना किया गया।'हैप्पीनेस ट्रक 4.0' कैंपेन में उद्योग के टॉप ब्रांड्स एकजुट हुए हैं, जिनमें सीके बिड़ला समूह की इकाई, एनबीसी बियरिंग्स, (टाइटल पार्टनर), वॉल्वोलाइन (द्वारा संचालित), भारतबेंज (ट्रक पार्टनर), गेट्स (पावर ट्रांसमिशन पार्टनर), केटी टेलीमेटिक (नेविगेशन पार्टनर), अलक्राफ्ट (थर्मल मैनेजमेंट पार्टनर), सेटको (क्लच पार्टनर), एक्सेलाइट-डीएच लाइटिंग (लाइटिंग पार्टनर), विक्स फि ल्टर्स मान+हम्मेल (फि ल्ट्रेशन पार्टनर) का उत्पाद ब्रांड, और टाटा ग्रीन बैटरीज (बैटरी पार्टनर) शामिल हैं।कश्मीर की सुरम्य वादियों से अपनी यात्रा शुरू करते हुए ट्रक जम्मू, जलंधर, लुधियाना, नालागढ़, बद्दी, करनाल और नई दिल्ली में पड़ाव कर चुका है, जहाँ परिवहन समुदाय से इसे जबरदस्त उत्साह और समर्थन मिला है।

राष्ट्रीय राजधानी में खुशी और कृतज्ञता फैलाना: नई दिल्ली के हलचल भरे शहर में, प्रसिद्ध संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में, भागीदार ब्रांड्स और एसोसिएशन के सदस्यों ने हैप्पीनेस ट्रक 4.0 के लिए अपना अटूट समर्थन और आभार व्यक्त किया। हमारे सम्मानित साझेदारों की दिल से सराहना की जाती है: एनबीसी बियरिंग्स (टाइटल पार्टनर), वाल्वोलिन (द्वारा संचालित), भारतबेंज (ट्रक पार्टनर), गेट्स (पॉवर ट्रांसमिशन पार्टनर), केटी टेलीमैटिक (नेविगेशन पार्टनर), अल्क्राफ्ट (थर्मल मैनेजमेंट पार्टनर), सेटको (क्लच पार्टनर), एक्सेलाइट-डीएच लाइटिंग (लाइटिंग पार्टनर), विक्स फिल्टर्स (फि ल्ट्रेशन पार्टनर), और टाटा ग्रीन बैटरीज (बैटरी पार्टनर)।

टेक्नो ने कैमन 20 सीरीज को पेश किया

गुरुग्राम। प्रीमियम टेक्नोलॉजी ब्रांड टेक्नो ने अपने बहुप्रतीक्षित कैमन 20 सीरीज को पेश कर दिया है। यह सीरीज 'अल्टीमेज- द फ्यूचर ऑफ इमेजिंग टेक्नोलॉजीज' को लेकर आती है। कैमन 20 सीरीज भारत में 'कैमन एक्सप्लोरर लाउंज' और फैशन के आकर्षक मिश्रण के साथ आती है। कंपनी ने लीला एबिएंस गुरुग्राम में इस फोन को पेश किया। इस इवेंट में 100 से अधिक प्रभावशाली कंटेंट क्रिएटर्स को पहली बार इस फोन को हाथ में लेने का मौका मिला। विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित कैमन 20 सीरीज उन लोगों के लिए है जो क्रांतिकारी कैमरा क्षमताओं का अनुभव करने के लिए उत्साहित हैं। इस फोन में लेदर फिनिश और रिफ्लेक्टिव डुअल-अपीयरेंस बैक पैनल है, जो इसे लुक और डिजाइ में बेहतरीन बनाता है। अपने सेगमेंट में फर्स्ट अप्रोच के तहत कैमन 20 प्रीमियर 5जी पहले सेंसर शिफ्ट ओआईएस एंटी-शेकिंग टेक्नोलॉजी, 50 एमपी आरजीबीडब्ल्यू अल्ट्रा-सेंसिटिव सेंसर और एआई एल्गोरिदम के संयोजन के साथ शानदार पोर्ट्रेट वीडियो और नाइट फोटोग्राफी पेश करता है, जो इसे अपने प्रतिस्पर्धियों से अलग करता है। कैमन 20 सीरीज के लॉन्च अवसर पर टेक्नो मोबाइल इंडिया के सीईओ अरिजीत तालापात्रा ने कहा, टेक्नो ने गियर बदल दिया है।

और हम अपने यूजर्स के लिए बेहद आकर्षक कीमत पर अपने स्मार्टफोन्स में बेस्ट-इन-क्लास टेक्नोलॉजी पेश कर रहे हैं। इसके जरिए हम प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत पैठ बना रहे हैं। अपने कैमन पोर्टफोलियो के जरिए हम लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने और फोटोग्राफी के अनुभव में क्रांति लाने का प्रयास करते रहते हैं। कैमन 20 सीरीज के जरिए हम उन लोगों के लिए एक समाधान प्रस्तुत करते हैं जो असाधारण रात की फोटोग्राफी क्षमताओं की तलाश में हैं और वह किसी भी प्रकाश की स्थिति में तेज और अधिक विस्तृत वाले पिक्चर की अपेक्षा करते हैं।

शाह की कड़ी चेतावनी का नतीजा, मणिपुर में बरामद हुए 144 हथियार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जादुई शक्ति वाले व्यक्ति हैं।

उनके पास चीजों को पलटने और हर समस्या का समाधान निकालने की अलौकिक क्षमता है। मणिपुर में स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सबसे भरोसेमंद साथी को युद्धरत समुदायों के साथ मध्यस्थता करने और हिंसा प्रभावित राज्य में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी दी। शाह ने संकटग्रस्त राज्य के दौरे में उन्होंने युद्धरत समूहों, नागरिक समाज, प्रशासन और सभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित लोगों के साथ विचार-विमर्श किया। मामले को नियंत्रण में लाने के लिए शाह ने हथियार रखने वाले उग्रवादियों को चेतावनी दी, जिसमें उन्हें बिना देरी के पुलिस के सामने हथियार सरेंडर करने या कड़ी कार्रवाई का सामना करने के लिए कहा गया। अपने दौरे में शाह ने कहा की हथियार रखने वालों को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए। तलाशी अभियान शुरू होगा और अगर किसी के पास हथियार पाए जाते हैं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शाह की चेतावनी के कुछ ही घंटों के भीतर करीब 150 हथियार सरेंडर कर दिए गए।

किरायेदारों-नौकरों की वैरिफिकेशन कराने के निर्देश

औद्योगिक इकाइयों, निजी गोदामों व संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों व पेइंगगैस्ट की वैरिफिकेशन करवाना जरूरी

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव,बहादुरगढ़।

जिला में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने को मद्देनजर रखते हुए झज्जर जिला में कहीं पर भी निवास करने वाले किरायेदारों, घरेलू नौकरों, पेइंगगैस्ट तथा औद्योगिक इकाइयों, निजी गोदामों व संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए पुलिस वैरिफिकेशन करवाना अत्यंत जरूरी किया गया है। फैक्ट्रियों तथा वेयर हाउस में कार्यरत कर्मचारियों व किरायेदारों की पुलिस तस्दीक के संबंध में एसपी झज्जर डॉ अर्पित जैन द्वारा सभी थाना प्रबंधको को जरूरी दिशा निर्देश किए गए हैं। जिला में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिला में स्थित सभी औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों तथा सभी किरायेदारों, पेइंग गैस्ट व घरेलू नौकरों की पुलिस वेरिफिकेशन करवाने के दिशा निर्देश किए गए हैं। जिला उपायुक्त झज्जर द्वारा जारी किए गए धारा 144 के दिशा निर्देशों के तहत जिला में निवास करने वाले सभी किरायेदारों व घरेलू नौकरों की पुलिस तस्दीक करवाना जरूरी किया गया है। पुलिस वेरिफिकेशन करवाने के आदेशों की अवहेलना करने पर धारा 188 के तहत कार्यवाही अमल

में लाई जाएगी। एसपी द्वारा जिला में स्थित औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों व श्रमिकों तथा किरायेदारों की वेरिफिकेशन के संबंध में सभी जिला निवासियों से जिनके घर में किराएदार रहते हैं या घरेलू नौकर कार्यरत है, उन सभी की पुलिस वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए गए। किरायेदारों व घरेलू नौकरों का जानबूझकर पुलिस सत्यापन ना कराने वाले मकान मालिकों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करने के सम्बन्ध में सभी थाना प्रबंधकों को दिशा निर्देश किए गए हैं। सभी थाना प्रबंधको व चौकी प्रभारियों को जिला के विभिन्न स्थानों पर वेयर हाउस, फैक्ट्री या अन्य निजी संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों व श्रमिकों की पुलिस तस्दीक करवाने तथा रेहड़ी/फड़ी लगाने वाले व्यक्तियों की पहचान की तस्दीक करने व पर्चा अजनबी काटने के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। आमजन की सुरक्षा को मध्येनजर रखते हुए संदिग्ध एवं असामाजिक शरारती तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा के मध्येनजर पूरे जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे किरायेदारों व घरेलू नौकरों की पहचान की तस्दीक करने के संबंध में कड़े निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ अर्पित जैन ने बताया कि जो भी मकान मालिक व पीजी संचालक अपने घर-पीजी में किरायेदार, नौकर व पेइंग गेस्ट रखते हैं, उन्हें उनकी खुद भी पूर्ण जांच करनी चाहिए ओर पुलिस से भी जांच करानी होगी। किरायेदारों व घरेलू नौकरों के संदर्भ में नाम व स्थाई पते सहित व्यवसाय, इससे पूर्व कहां रहते थे तथा उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला तो दर्ज नहीं है आदि की जानकारी जरूर प्राप्त करें।

बिना मान्यता के चल रहे आठ विद्यालयों को थमाए नोटिस

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बिना मान्यता के चल रहे आठ विद्यालयों को नोटिस थमा दिये हैं। इस कार्यवाही के बाद बिना मान्यता के विद्यालयों का संचालन कर रहे संचालकों में हडकंप की स्थिति है। जनपद में कई ऐसे विद्यालय हैं जिन्हें किसी भी बोर्ड की मान्यता प्राप्त नहीं है लेकिन वह 12वीं तक अपने विद्यालय में बिना किसी भय के निर्भीक होकर कक्षाएं चला रहे हैं। ऐसे विद्यालय अक्सर अपने यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाएं अन्य विद्यालयों में करा देते है और मनमानी फीस स्टूडेंट से वसूलते हैं क्योंकि इन्हें अपने ऊपर कार्यवाही का कोई डर नहीं होता। जिला स्तर पर अप्रैल से लेकर अब तक 8 विद्यालयों को जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नोटिस जारी किए गए हैं। है। इन सभी विद्यालयों की बार-बार शिकायत भी जिला विद्यालय निरीक्षक के यहां पर की जा चुकी है । लेकिन इन विद्यालयों ने अपने यहां चलने वाली कक्षाओं का संचालन बंद नहीं किया है। श्री आरपी शर्मा स्तर माध्यमिक विद्यालय खानपुर महावन को केवल हाई स्कूल तक की ही मान्यता प्राप्त है लेकिन यहां 12वीं तक की कक्षाएं निरंतर चलाई जा रही हैं। डॉक्टर बी आर अंबेडकर इंटर कॉलेज अलीपुर खेरिया महावन विद्यालय को इंटर कला वर्ग की मान्यता प्राप्त है लेकिन इस विद्यालय में विज्ञान वर्ग के छात्र छात्राओं को भी शिक्षा दी जा रही है। श्रीमती शिमला देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नसीटी मांट मथुरा विद्यालय को भी केवल हाईस्कूल की ही मान्यता प्राप्त है लेकिन इस विद्यालय में भी 12वीं तक की शिक्षा दी जा रही है इस विद्यालय के खिलाफ कई बार शिकायत जिला विद्यालय निरीक्षक के यहां दर्ज कराई गई है।

भाजयूमो मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर चलाएगा विभिन्न तरह के जागरूकता अभियान

टीम एक्शन इंडिया/राई।

भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्य व प्रदेशाध्यक्ष राहुल राणा के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 9 साल पूरे होने पर भाजयुमों गांवों में महासर्म्पक अभियान चलाएगी। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष योगेश जठेड़ी ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हाल ही में 9 साल पूरे किए है। मोदी सरकार के नौ वर्षों का स्मरण करते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में पूरे देश में जनहित में घोषणाएं की है। अभियान के तहत भाजयुमो अपनी सक्रिय भूमिका निभाकर लोगों को 9 साल में केन्द्र सरकार द्वारा करवाए गए जनहित कार्यों से अवगत करवाएगी। प्रदेश में लोकसभा क्षेत्र के साथ विधानसभाओं में कार्यक्रम चलेगा। अभियान में सरकार की योजना को हर आदमी को लाभ मिले, इसे अवगत करवाया जाएगा। आमजन से संवाद, नव मतदाता सम्मेलन, बाइक यात्राएंऔर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी कराई जाएंगी। योगेश जठेड़ी ने कहा कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले लाभाथी से संवाद भी होगा। कस्बों, शहरों और गांव में डोर-टू-डोर संर्म्पक अभियान होगा। योगेश ने कहा कि नागरिकों को सरकार की अच्छी योजनाओं व नीतियों से जागरूक होना बहुत जरूरी है। भाजयुमों कालेज में भी जाकर युवाओं को मतदाता के रूप में पंजीकरण करने मोदी सरकार की योजनाएं के बारे में बताएगा। इसके साथ ही डिजिटल प्रमाण पत्र से भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों का उद्देश्य शासन में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना है। जिससे हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा।

पार्षद जितेंद्र राठी ने की जसोर खेड़ी भंडारे में शिरकत

सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़।

गांव जसोर खेड़ी स्थित हरसिरिंगी देवी माता मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में युवा इनेलो नेता व वार्ड नंबर-9 से पार्षद जितेंद्र राठी ने मुख्य रूप से शिरकत की। भंडारे में पहुंचने पर मंदिर प्रबंधक कमेटी व ग्रामीणों द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए चार पंखे व चार मच्छरदानी भेंट किए। उन्होंने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से लोगों में भगवान के प्रति आस्था बढ़ती है और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। इसलिए समय-समय पर इस तरह के आयोजन किए जाते रहने चाहिए। ग्रामीणों ने बताया कि यह मंदिर काफी प्राचीन है और जसोर खेड़ी समेत आसपास के गांवों में इस मंदिर की मान्यता है।

मन को शांति परमात्मा के चरणों में ही मिलती है, पैसे से नही: जयभगवान

टीम एक्शन इंडिया/राई।

असावरपुर में बाबा कुन्दललाल के हवन- यज्ञ व भंडारे में आंतिल बाहरा खाप के प्रधान जयभगवान आंतिल ने शिरकत की। भंडारे में पहुंचने पर आंतिल ने साधु,संतो से आशीर्वाद लिया और अपनी तरफ से 21 हजार रुपएं दिए। आंतिल ने ग्रामीणों द्वारा किए हवन यज्ञ व भंडारे की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन से लोगों में धार्मिक भावना बढ़ती है। यज्ञ हमारी बहुत ही प्राचीन पहचान है। यज्ञ के करने से न केवल वहां का, बल्कि आसपास का वातावरण तक शुद्ध हो जाता है। उसमें बैठने वाले लोगों के विचार भी अच्छे होते हैं, इसलिए अपने घर में यज्ञ जरूर करें।

उन्होंने कहा कि आज इंसान अपनी परम्पराओं को छोड़कर पैसे में सबकुछ ढूंढ रहा है, जोकि एकदम गलत है। पैसे से आप चीजें खरीद सकते हो लेकिन मन की शांति नहीं। मन को शांति परमात्मा के चरणों में ही मिलती है। भगवान के भजन के बगैर कोई चीज मुमकिन नहीं है। इंसान को जीवन में सुबह शाम भगवान का भजन करना चाहिए। इससे न केवल आत्मा स्वच्छ होती है, बल्कि इंसान के विचार भी बदल जाते है। उन्होंने कहा कि भक्ति में बहुत शक्ति होती है। अगर इंसान सच्चे मन से भक्ति करे तो जीवन में हर चीज को पा सकता है। ऐसे कार्यक्रमों से हमें बहुत कुछ मिलता है।

सचिन कुंडू ने गांव जाटल में चलाया जनसंपर्क अभियान

प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर जनता के लिये की जाएगी कल्याणकारी योजनाएं लागू: सचिन कुंडू

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन कुंडू ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाया जा रहा है, जोकि देश के अधिकरत राज्यों में अपना असर दिखा रहा है इसी कड़ी में हरियाणा प्रदेश में भी यह अभियान राज्य के दूरदराज गांवों में भी पहुंच रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी

समस्याओं को सुन रहे हैं और कांग्रेस सरकार बनने पर जिन जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया जाएगा, उसकी जानकारी दे रहे हैं। सचिन कुंडू मंगलवार को पानीपत ग्रामीण हलके के गांव जाटल में अपने जन संपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। वहीं सचिन कुंडू ने दावा किया कि मौजूदा सरकार की गलत नीतियों के चलते प्रदेश की जनता परेशान हो चुकी है और देश व प्रदेश में आने वाला समय कांग्रेस का है। जनता ने 2024 में होने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मौका देने का मन बना लिया है।

हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने पर जनता के हित में कल्याणकारी योजानाएं शुरू की जाएगी। इस अवसर पूर्व हलका प्रधान दीपक खटकड़, सतपाल रोड, वीरेंद्र पुनिया, युवा जिलाध्यक्ष मोहित बिंझौल, हल्का अध्यक्ष तेजी चंदौली, पूर्व हल्का अध्यक्ष सुरेंद्र वबैल, संदीप बुडशाम, पूर्व सरपंच बलिंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, हरपाल सिंह, प्रकाश सिंह, हितेश व भगता आदि मौजूद रहे।

कोका-कोला फाउंडेशन ने रीसाइक्लिंग प्रोग्राम की सफलता का जश्न मनाया

नई दिल्ली। कोका-कोला फाउंडेशन और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) ने कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया इंडस्ट्री (सीआईआई) के सहयोग से हाल में सपोर्ट माई स्कूल मिशन रीसाइक्लिंग (एसएमएसएमआर) प्रोग्राम के फेज-III की सफलता का समारोह मनाया। सपोर्ट माई स्कूल मिशन रीसाइक्लिंग प्रोग्राम की शुरूआत वर्ष 2018 में हुई थी और आज तक यह 25 राज्यों तथा संघ-शासित क्षेत्रों में फैल चुका है। इस प्रोग्राम का मकसद 15,223 सरकारी स्कूलों के 3 मिलियन बच्चों और 63,527 टीचर्स के बीच पेट (पॉलीईथलीन टेरफ्थैलेट) तथा प्लास्टिक अपशिष्टों की रीसाइक्लिंग और दोबारा प्रयोग के पक्ष में जागरूकता पैदा करना है। प्रोग्राम का फेज-क और फेज-II सम्पूर्ण भारत में दिसम्बर 2017 और अगस्त 2021 में कार्यान्वित किया गया था। इसके फेज-III को जनवरी 2022 से आरम्भ करके जून 2023 तक 1 वर्ष की अवधि के लिए कार्यान्वित किया गया था। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य इस पहल में बच्चों को सक्रिय रूप से शामिल करके पर्यावरण के प्रति सचेत नागरिकों की एक नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ युवा सहभागियों और उनके व्यापक समुदाय, दोनों पर सस्टेनेबल और टिकाऊ प्रभाव पैदा करना है। कोका-कोला फाउंडेशन की प्रेसिडेंट, सादिया मेड्सबर्ग ने कहा कि, ह्लहमें एसएमएसएमआर प्रोग्राम का हिस्सा बनने पर गर्व है जो न केवल रीसाइक्लिंग और जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाता है बल्कि छात्रों को अपने समुदायों में चेंजमेकर बनने के लिए भी सशक्त बनाता है। इस प्रोजेक्ट में सरकारी अधिकारियों और समुदाय के लोगों की व्यापक सहभागिता और सहयोग प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय ग्रेपलिंग चैंपियनशिप में अर्णव दहिया ने जीते दो पदक

टीम एक्शन इंडिया/खरखौदा

अर्णव दहिया ने 16 वीं जीएफआई राष्ट्रीय ग्रेपलिंग चैंपियनशिप में एक स्वर्ण व एक रजत सहित 2 पदक जीते हैं। अर्णव दहिया की प्रशिक्षक दीपिका मान के अनुसार मध्यप्रदेश के देवास स्थित श्रीमंत तुकोजी राव पवार इंडोर स्टेडियम में 1 से 4 जून तक राष्ट्रीय ग्रेपलिंग चैंपियनशिप - सब जूनियर, कैडेट, जूनियर व वेटरन का आयोजन किया गया था। जिसमें खरखौदा उपमंडल के गांव रोहणा के मूल निवासी अर्णव दहिया ने गुरुग्राम जिला का प्रतिनिधित्व करते हुए अंडर - 9 के 38+ किलोग्राम भार के जीआई वर्ग में स्वर्ण पदक तथा नॉन जीआई वर्ग में रजत पदक जीत कर अपने माता पिता व रोटरी पब्लिक स्कूल का नाम रोशन किया है। बताया गया है कि राष्ट्रीय ग्रेपलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेता खिलाड़ियों को दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

सीएम ने राज्य स्तरीय दिशा कमेटी की बैठक ली

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मंगलवार को प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ राज्य स्तरीय दिशा कमेटी की बैठक ली। बैठक में विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, राज्यसभा सांसद डॉ. डीपी वत्स, हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल सहित सभी विभागों के वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी ने कहा कि विडियो कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ने ग्रामीण

विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, शहरी स्थानीय निकाय, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं आभियांत्रिकी विभाग, बिजली निगम, शिक्षा विभाग, कृषि तथा किसान कल्याण विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग, सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों के अलग-अलग योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार जिला में जल्द ही जिला स्तरीय दिशा कमेटी की आगामी बैठक करवाई जाएगी। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी अपनी रिपोर्ट तैयार करना सुनिश्चित करें। इन बैठकों में विशेष ग्रामीण आंचलों से संबंधित विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस में जिला परिषद के सीईओ डॉ० सुशील मलिक, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त अंकिता वर्मा, जिला सिविल सर्जन डॉ० जयकिशोर सहित संबंधित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

मोदी सरकार की 9 वर्षों की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाएंगे

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर भाजयुमो कार्यकर्ता महासंपर्क अभियान में अहम भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों को भाजयुमो कार्यकर्ता भाजयुमो के यशस्वी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या व भाजयुमो हरियाणा के कर्मशील प्रदेश अध्यक्ष राहुल राणा के कुशल मार्गदर्शन में महा जनसंपर्क अभियान के तहत घर-घर पहुंचाएंगे। यह बात पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजयुमो जिलाध्यक्ष नवीन बंटी ने कही। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी

के नेतृत्व में बीते 9 वर्षों में हमारे देश ने समाज के हर वर्ग की प्रगति व परिवर्तन देखा है। मोदी सरकार के इन उल्लेखनीय नौ वर्षों का स्मरण करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में पूरे देश में 30 जून तक महा जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के (भाजयुमो) राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या व भाजयुमो हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष राहुल राणा देश व प्रदेश की विभिन्न विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम करेंगे। नवीन बंटी ने बताया कि महा जनसंपर्क अभियान के तहत सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने वाले ज्यादा से ज्यादा लाभार्थियों तक पहुंचा जाएगा और उनसे फीड बैक ली जाएगी। नवीन बंटी ने बताया कि मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल में कश्मीर से धारा 370 हटाना,जीएसटी लागू करना, अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण, सांस्कृतिक धरोहरों का जीर्णोद्धार, कोरोना से बचाव, भारतीय योग को दुनिया भर में नई पहचान, जन-धन खाते खोलना, फसल बीमा योजना , प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सेवाओं को ऑनलाइन किया गया, स्वामित्व योजना, योग्यता के आधार पर नौकरी, पारदर्शी व्यवस्था कायम करना, नई शिक्षा नीति, नल से जल, स्वच्छ भारत मिशन जैसे ऐतिहासिक कार्य किए गए है जिसकी भारत वासी ही नही बल्कि पूरा विश्व पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर रहा है। नवीन बंटी ने बताया कि महा जनसंपर्क अभियान के तहत आमजन से संवाद, मोदी सरकार की कल्याणकारी नीतियों से आमजन को अवगत कराना, नव मतदाता सम्मेलन, बाइक यात्राएं और ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। नवीन बंटी ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नागरिकों को मिल रहा है।

पानीपत जिला से जींद तिरंगा यात्रा में पहुंचेंगे हजारों कार्यकर्ता: राकेश मुंजाल

8 8 जून को दिल्ली के केजरीवाल व मुख्यमंत्री मान द्वारा विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव राकेश मुंजाल ने मंगलवार को तहसील कैंप क्षेत्र का दौरा करके शहर वासियों को जींद में 8 जून को होने वाली तिरंगा यात्रा में पहुंचने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में व्यवस्था का परिवर्तन करने को

लेकर जींद में 8 जून को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। जिसमें प्रदेशभर से बहुत भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व आम जनता भाग लेगी। वहीं तिरंगा यात्रा में आप के प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डा. सुशील गुप्ता सहित वरिष्ठ नेता भी भाग लेंगे। मुंजाल ने दावा किया कि पानीपत जिला से भी हजारों कार्यकर्ता व शहर वासी जींद तिरंगा यात्रा में पहुंचेंगे।

भारत में दिल के रोगियों की उम्र कम होने की धारणा गलत

कम आयुवर्ग के लोगों में दिल के रोगों का जोखिम उतना अधिक नहीं है और यह उम्रदराज लोगों को ही अधिक परेशान करता है : डॉ. उपेंद्र कौल

नई दिल्ली। भारत में हृदय रोग को लेकर कराए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि देश में पश्चिमी देशों के मुकाबले ''एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम' (एसीएस) के रोगियों की उम्र कम होने की धारणा मिथक है और अधिक आयु वाले लोगों को ही दिल की बीमारी का खतरा अधिक देखा गया है।फोर्टिस हेल्थकेयर ने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कौल के नेतृत्व में यह अध्ययन किया। इसके मुख्य निष्कर्षों में सामने आया है कि हृदय रोगों के तीन प्रमुख कारणों में हाई लिपिड स्तर 58.1 फीसदी, उच्च रक्तचाप 53.2 फीसदी और धूम्रपान 45 फीसदी हैं। एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) से युवा आबादी के प्रभावित होने को लेकर कोई खास बात सामने नहीं आई है। फोर्टिस द्वारा जनवरी 2011 से दिसम्बर 2015 के बीच कुल 12,152 रोगियों पर अध्ययन किया गया। इसमें 18 से 100 साल तक की उम्र के मरीज शामिल रहे। इसमें 5850 रोगी ऐसे थे जिन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इनमें हृदय रोग के जोखिम के कारकों में क्र मशः अत्यधिक कोलेस्ट्रोल 58.1 फीसदी, उच्च रक्तचाप 53.2 फीसदी, धूम्रपान 45 फीसदी, डायबिटीज 36.9 फीसद और मोटापा 33.6 फीसद बताए गए हैं। अध्ययन में शामिल मरीजों में 30 साल से कम उम्र के मरीजों की संख्या केवल 33 यानी 0.3 फीसद थी। 30 से 40 साल के बीच के 304 (2.8 फीसद), 40 से 50 साल के 1298 (10.7 फीसद), 50 से 60 साल के 3445 (28.3 फीसद) और 60 साल से अधिक उम्र के सर्वाधिक 7075 (58.2 फीसदी) मरीज थे। अध्ययन के अनुसार यह दिखाता है कि कम आयुवर्ग के लोगों में दिल के रोगों का जोखिम उतना अधिक नहीं है और यह उम्रदराज लोगों को ही अधिक परेशान करता है। डॉ. उपेंद्र कौल के अनुसार, ''आमतौर पर माना जाता है कि एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम के साथ आए भारतीय रोगियों की उम्र पश्चिमी देशों में इस रोग के मरीजों से अपेक्षाकृत कम होती है। यह मिथक है जिसे हमारे अध्ययन ने साबित किया है। हमारी जनसंख्या में आयु वर्ग और जोखिम का स्तर दोनों वैसे ही हैं जैसा पश्चिमी देशों में है। इस अध्ययन में 30 फीसद रोगी दक्षिण एशियाई देशों के भी थे।'

लीवर का हारमोन करता है शराब व मीठा खाने की इच्छा को नियंत्रित

न्यूयार्क। अगर आप अपनी शराब की लत और ज्यादा मीठा खाने की आदत से परेशान हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी है। एक शोध में लीवर के ऐसे हारमोन का पता चला है, जो सीधे मस्तिष्क के साथ संपर्क करके व्यक्ति में शराब और मीठा खाने की भूख कम करता है टेक्सास विविद्यालय के दक्षिण पश्चिम चिकित्सा केंद्र के शोधकर्ताओं ने लीवर में एक हारमोन का पता लगाया है जिसमें लोगों में शराब और मीठे के लिए भूख कम करने की क्षमता है। इस हारमोन का नाम ''फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर 21'(एफजीएफ 21) है। यह दिमाग के रिवार्ड सिस्टम के जरिए काम करता है, जो खाने-पीने की हमारी इच्छा को कम करता है। यह हारमोन अत्यधिक ठंड, भोजन में अचानक बदलाव और कार्बोहाइड्रेट का सेवन करने से शरीर में पैदा होता है।' 'सेल मेटाबॉलिज्म जर्नल' में प्रकाशित इस शोध के अनुसार एफजीएफ 21 हारमोन शराब की लत से छुटकारा पाने और टाइप टू मधुमेह के इलाज में मददगार साबित हो सकता है। शोध से जुड़े डॉ. स्टीवन क्लीवर ने कहा ''हमारे शोध से इस बात का पता चलता है कि एफजीएफ 21 हारमोन का प्राथमिकता के आधार पर पोषक तत्वों को ग्रहण करने की प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। साथ ही इस हारमोन का इस्तेमाल शराब की लत छुडाने में भी हो सकता है।' शोधकर्ताओं ने चूहों पर इसका प्रयोग किया। उन्होंने पाया कि जिन चूहों में इस हारमोन की ज्यादा मात्रा थी, उन्होंने मीठा पानी और शराब मिश्रित पानी पीने की कम इच्छा जताई। साथ ही बंदरों ने भी मीठा खाने की कम इच्छा दिखाई। शोध में एफजीएफ 21 और मस्तिष्क तंत्र के बीच गहरे संबंध का पता चला। शराब और मीठा खाने की इच्छा कम करने के साथ ही इस हारमोन के महत्वपूर्ण कार्य के बारे में भी पता चला। इस हारमोन में चयापचय प्रक्रिया, महिलाओं की प्रजनन क्षमता और शरीर की नियमित प्रक्रिया को नियंत्रित करने की क्षमता भी है।

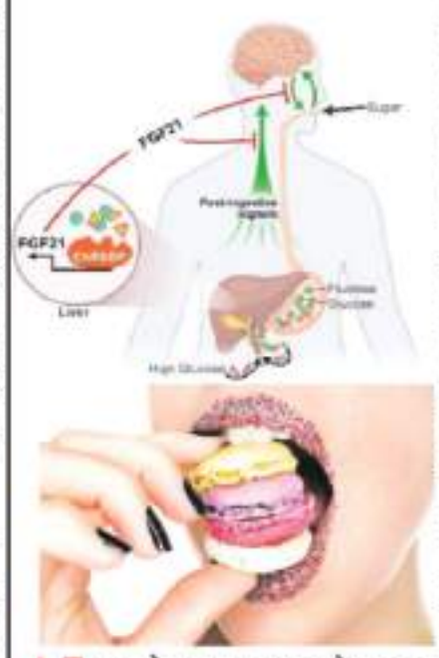

- हारमोन का नाम 'फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर 21'(एफजीएफ 21) है
- यह हारमोन अत्यधिक ठंड, भोजन में अचानक बदलाव व कार्बोहाइड्रेट का सेवन करने से पैदा होता है
- एफजीएफ 21 हारमोन टाइप टू मधुमेह के इलाज में मददगार साबित हो सकता है

बच्चों में डायरिया के मामले काफी घटाकर पेश किए गए

नई दिल्ली। एक नए अध्ययन में बताया गया है कि भारत समेत सात एशियाई एवं अफ्रीकी देशों में बच्चों के डायरिया की चपेट में आने के मामले बहुत कम करके पेश किए गए हैं तथा पिछले आकलन की तुलना में उनकी संख्या दोगुनी हो सकती है। इन देशों में हर घंटे पांच साल की उम्र तक के 13 बच्चे डायरिया के चलते मर जाते हैं। ''लांसेट' में प्रकाशित नए शोध में कहा गया है, ''बैक्टीरिया, परजीवी, विषाणु एवं अन्य संक्र मणों की वजह से बच्चों के डायरिया की चपेट में आने के मामले काफी घटाकर पेश किए गए और वह पिछले आकलन की तुलना में करीब दोगुना हो सकते हैं।''बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, गांबिया, केन्या, माली और मोजाम्बिक के 10,000 से अधिक नमूनों के विश्लेषण से पता चलता है कि शिगेला और रोटावायरस पांच साल तक के बच्चों में सबसे आम संक्रमण है, उसके बाद एडिनोवायरस, आंत में विष पैदा करने वाले ई.कोलाई, क्रिप्टोसपोरडियम और कैंपीलोबैक्टर का नंबर आता है।' डायरिया के संक्रामक कारकों के पिछले अनुमान विभिन्न अन्वेषण पद्धतियों पर आधारित थे जबकि इस अध्ययन में पहली बार 32 रोगाणुओं का परीक्षण करने के लिए मालीक्यूलर डायगोनास्टिक पद्धति का इस्तेमाल किया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवधानक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मनोविनोद बढ़ेगा। व्यवसायिक का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता होगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिवर्तन की संभावना है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिजनों का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। विवादित वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। धनार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

अध्यापक- राकेश समुद्र के बीच एक नीबू का पेड लगा है, उस पर कुछ नींबू लगे है, उन्हें तुम कैसे तोडकर लाओगे ?

राकेश- चिडिया बनकर।

अध्यापक- बेवकूफकभी आदमी भी चिडिया बन सकता है।

राकेश- कहीं समुद्र में भी नीबू का पेड लगता है।

□ □ □

मिल मालिक, ''मैं तुम्हारे काम से खुश हूं। अगले महीने से तुमको मैनेजर बना रहा हूं, तुम्हारी तनख्वाह भी दोगुनी हो जाएगी।''

कर्मचारी (गिड़गड़ा कर), ''नहीं जनाब, मुझ पर यह जुल्म न करें, मुझे खजांची ही बना रहने दें।''

□ □ □

पुलिस ने एक चोर को पकडा, जब पुलिस के पास हथकडी नही थी।

चोर ने कहा- मै हथकडी लेकर आता हूं, आप यहीं रुकिए।

पुलिस वाला- मुझे बेवकूफ बनाता है, भागने की सोचता है, तू यहीं रूक मैं हथकडी लेकर आता हूं।

□ □ □

पिंटू एक लडकी को छेड रहा था।

लडकी- क्या कर रहे हो ?

पिंटू- महाराजा कॉलेज से बी.कॉम।

काकुरो पहेली - 4077

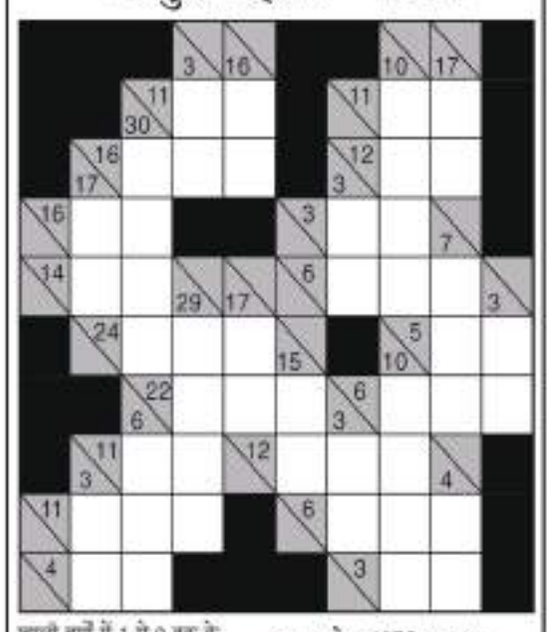

खाली वर्गो में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

काकुरो - 4076 का हल

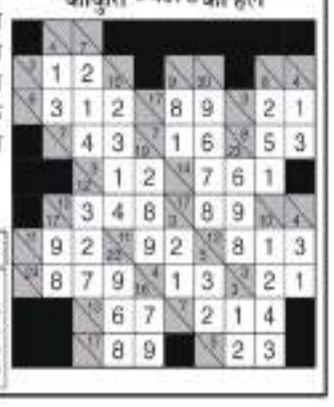

फिल्म वर्ग पहेली-4077

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चांद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाह' के निर्देशिका कौन है-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल टूटा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई देखो ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवाले के दिन का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-३
३१. संजय, कृष्णा गौरव, पूनम 'अमीरी की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरी गल भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, मुमताज की 'रोते रोते रुका कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'ओवर हमारा डब्बा' गीत वाली अक्षय, एयुवस, केली शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'भाई पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. सैफअली, प्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भैया' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद दिल से भुला हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4076

सूडोकु -4077

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4076 हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 4077

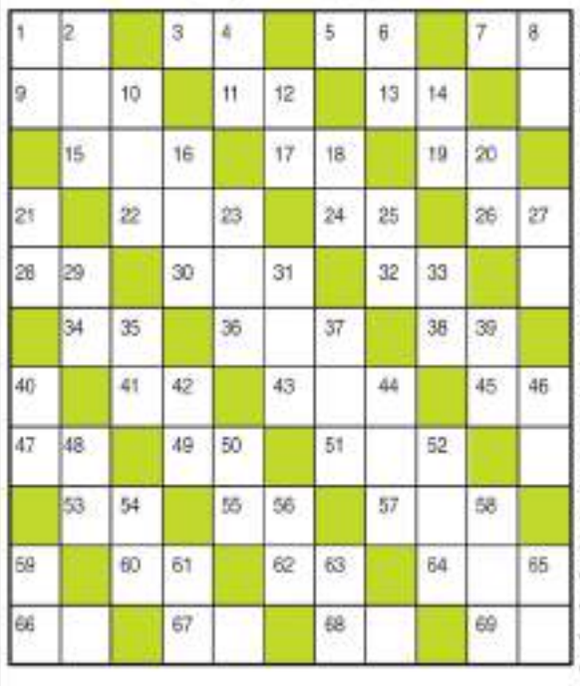

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते है-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेंहदी-2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिछले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टोंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.दूल्हा-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -4076 का हल

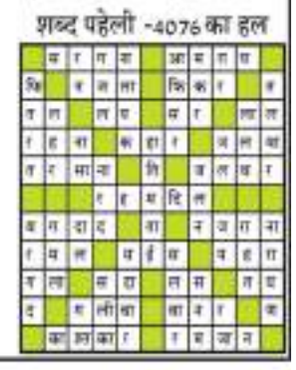

फ्रेंच ओपनः क्वार्टरफाइनल में पहुंची हद्दाद माइआ, ओन्स जब्योर से होगा मुकाबला

पेरिस। ब्राजील की बीट्रिज हद्दाद माइआ चौथे दौर के मुकाबले में स्पेन की सारा सोरिबेस टोर्मो को हराकर फ्रेंच ओपन 2023 के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। ऐसा करने वाली वो इतिहास में दूसरी ब्राजिलियन खिलाड़ी हैं।

उनसे पहले 1968 में मारिया बुएनो ने यह कारनामा किया था। माइआ ने करीब 3 घंटे 31 मिनट तक चले मुकाबले में स्पेन की सारा सोरिबेस टोर्मो को 6(3)-7(7), 6-3 और 7-5 से परास्त कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इस वर्ष फ्रेंच ओपन में यह सबसे लम्बा महिला एकल मुकाबला रहा। 14वीं वरीय हद्दाद माइआ ने मैच जीतने के बाद कहा कि बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना काफी संघर्षपूर्ण होता है। आज भी ऐसा ही था। लेकिन मुझे खुशी है कि करीब चार घंटे के मुकाबले में मैंने हार नहीं मानी और आखिर में जीत मिली। क्वार्टरफाइनल में हद्दाद का सामना ट्यूनीशिया की ओन्स जब्योर से होगा। दूसरी ओर, सातवीं वरीयता प्राप्त ट्यूनीशिया की ओन्स जब्योर ने अमेरिका की बर्नाडा पेरा को सीधे सेटों में मात देकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। इस एकतरफा मुकाबले में जब्योर ने पेरा को मात्र 63 मिनट में 6-3, 6-1 से परास्त किया।

एसी मिलान के स्वीडिश स्ट्राइकर ज्लाटन इब्राहिमोविक ने फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली। एसी मिलान के स्वीडिश स्ट्राइकर ज्लाटन इब्राहिमोविक ने फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। एसी मिलान की वेरोना पर 3-1 से जीत के बाद, इब्राहिमोविक ने ऑन-पिच समारोह के दौरान अपने संन्यास लेने के निर्णय का खुलासा किया। इब्राहिमोविक का मिलान के साथ अनुबंध जून के अंत में समाप्त हो रहा है और सीजन के बाद इसे नवीनीकृत नहीं किया जाएगा। सैन सिरो की पिच पर इब्राहिमोविक ने कहा, यह केवल आपको ही नहीं, बल्कि फुटबॉल को अलविदा कहने का क्षण है।

इब्राहिमोविक दूसरे स्पेल के लिए 2019 के अंत में मिलान लौटे थे, इससे पहले उन्होंने क्लब के साथ अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2011 में सीरी ए खिताब जीता था। इब्राहिमोविक ने कहा, पहली बार जब मैं यहां आया तो आपने मुझे खुशी दी, दूसरी बार आपने मुझे प्यार दिया। आपने खुली बाहों से मेरा स्वागत किया, आपने मुझे घर जैसा महसूस कराया, मैं आपके प्यार को कभी नहीं भूलूंगा।

अपने करियर के दौरान इब्राहिमोविक ने नीदरलैंड, इटली, स्पेन और फ्रांस में लीग खिताब जीते, हालांकि मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ उनकी एकमात्र प्रमुख यूरोपीय ट्रॉफी 2017 यूरोपा लीग थी। चोटों से ग्रस्त होने के बावजूद इस सीजन में उन्होंने मिलान के लिए बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले साल मई में अपने बाएं घुटने की सर्जरी के बाद इस साल फरवरी में उन्होंने वापसी की।

जुलाई में उन्होंने क्लब के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया, जिससे उन्हें निश्चित वेतन में लगभग एक मिलियन यूरो (1.02 मिलियन डॉलर) की कमाई हुई। 41 वर्षीय इब्राहिमोविक ने इस सीजन में मिलान के लिए एक गोल किया। उन्होंने मार्च में उडीनीज़ के खिलाफ मिली 3-1 की जीत में 1 गोल किया और सीरी ए इतिहास में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने।

जानूस कुसोकिंस्की मेमोरियल 2023 एथलेटिक्स मीट में चौथे स्थान पर रहीं ज्योति याराजी

चोरज़ो। भारत की ज्योति याराजी ने पोलैंड के चोरज़ो में 69वें ओरलेन जानूस कुसोकिंस्की मेमोरियल 2023 एथलेटिक्स मीट में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया। वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर इवेंट में याराजी 13.03 सेकेंड के साथ शीर्ष तीन में आने से चूक गईं। टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन प्यूर्टो रिको की जेसमिन कामाछो क्यूइन और यूएसए की एलायशा जानसन 12.42 सेकेंड के साथ संयुक्त विजेता रहीं। साइप्रस की नतालिया क्रिस्टोफी ने 12.84 सेकेंड के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। पोलैंड में याराजी का प्रदर्शन उनके 12.82 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से धीमा था, लेकिन यह उनका चौथा सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय था। याराजी ने पोलैंड मीट से पहले नीदरलैंड के टिलबर्ग में टी-मीटिंग 2023 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में 13.20 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। 23 वर्षीय याराजी ने मई में जर्मनी के वेनहेम में कुर्पफल्ज़ गाला 2023 एथलेटिक्स मीट में 12.84 सेकेंड के सीज़न-सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले बतौर सलाहकार ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हुए एंडी फ्लावर

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले सलाहकार के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ गए हैं।

उनके एशेज के दूसरे भाग में भी उसी भूमिका में लौटने की संभावना है जो डब्ल्यूटीसी फाइनल के तुरंत बाद शुरू होगी।

55 वर्षीय फ्लॉवर को इंग्लैंड में कोचिंग का व्यापक अनुभव है, उन्होंने 2009 और 2014 के बीच राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में काम किया था। उन्होंने पहले टीम के टीम निदेशक के रूप में भी काम किया था, और उन भूमिकाओं में उनकी निगरानी में, इंग्लैंड ने तीन बार एशेज

श्रृंखला जीती। इंग्लैंड के साथ अपने कार्यकाल के बाद, फ्लावर ने दुनिया भर में विभिन्न टी20 लीगों में कोचिंग की भूमिकाएँ निभाईं। उनके सबसे हालिया असाइनमेंट में आईपीएल 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स का मुख्य कोच बनना शामिल था, जहां उनकी टीम ने लगातार दूसरे साल प्लेऑफ़ में जगह बनाई।

महान अमेरिकी धावक व डबल ओलंपिक चैंपियन जिम हाइन्स का निधन

नई दिल्ली। अमेरिकी डबल ओलंपिक चैंपियन जिम हाइन्स, जो 1968 में 10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले एथलीट बने, का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। विश्व एथलेटिक्स ने उक्त जानकारी दी।

मेक्सिको सिटी में 1968 के ओलंपिक खेलों में हाइन्स ने 9.95 सेकेंड के विश्व रिकॉर्ड समय के साथ 100 मीटर में स्वर्ण पदक जीता, यह रिकॉर्ड 15 साल तक चला, इस रिकॉर्ड को केल्विन स्मिथ (9.93 सेकेंड) ने तोड़ा। उन्होंने उसी ओलंपिक में 4×100 मीटर रिले में भी स्वर्ण जीता था। एथलेटिक्स से रिटायर होने के बाद उन्होंने मियामी

डॉल्फ़िन और कैनसस सिटी चीफ़्स के साथ नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) में भी बतौर खिलाड़ी हिस्सा लिया था। विश्व एथलेटिक्स ने एक बयान में कहा, महान अमेरिकी धावक जिम हाइन्स का निधन हो गया, उनके निधन की खबर सुनकर विश्व एथलेटिक्स को गहरा दुख हुआ।

भारतीय बैडमिंटन संघ ने उम्र संबंधी धोखाधड़ी को रोकने के लिए कई बड़े कदम उठाए

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने स्वैच्छिक आयु सुधार योजना (वीएआरएस) की शुरुआत के साथ पंजीकृत खिलाड़ियों के रिकॉर्ड में उम्र की धोखाधड़ी को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस सक्रिय पहल का उद्देश्य उम्र के रिकॉर्ड में किसी भी तरह की विसंगतियों को दूर करना और खेल में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना है।

बीएआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वीएआरएस के तहत, विभिन्न परिदृश्यों में आने वाले खिलाड़ियों को 2-5 जून 2023 से पहले अपने आयु रिकॉर्ड को सुधारने का अवसर मिलेगा। कपटपूर्ण मामलों को हतोत्साहित करने के लिए, बाई ने सिद्ध आयु धोखाधड़ी के लिए दंड स्थापित किया है। बीएआई द्वारा अधिकृत एज फ्रॉड कमेटी दोषी खिलाड़ियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की उचित मात्रा निर्धारित करेगी। अनुशंसित दंडात्मक कार्रवाई बीएआई के सचिव द्वारा निष्पादित की जाएगी।

ऐसे मामलों में जहां खिलाड़ियों के आयु रिकॉर्ड में विसंगतियां हैं, 6-25 जून, 2023 तक 20 दिनों की एक

वीएआरएस विंडो प्रदान की गई है। इस अवधि के दौरान, खिलाड़ी सभी आवश्यक दस्तावेजों और विवरणों के साथ बीएआई को एक लिखित आवेदन जमा कर सकते हैं। बीएआई इन आवेदनों को प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर संसाधित करने का प्रयास करेगा, इस दौरान खिलाड़ी को किसी भी मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, यदि बीएआई निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन को संसाधित करने में विफल रहता है, तो खिलाड़ी को टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति तब तक दी जाएगी जब तक कि मामले का समाधान नहीं हो जाता, बशर्ते वे जांच प्रक्रिया में सहयोग करें।उन खिलाड़ियों के लिए जो वीएआरएस एमनेस्टी योजना का लाभ नहीं उठाते हैं और बाद में आयु धोखाधड़ी के दोषी पाए जाते हैं, उनकी बीएआई आईडी को 2 साल की अवधि के लिए निष्क्रिय कर दिया जाएगा। इन दोषी खिलाड़ियों को बीएआई और इसकी राज्य इकाइयों द्वारा आयोजित स्थानीय, जिला, राज्य, अखिल भारतीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट सहित देश भर में अधिकृत बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग लेने से 2 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

इसके अलावा, उम्र की धोखाधड़ी में शामिल माता-पिता या व्यक्तियों को आपराधिक कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा क्योंकि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। आयु धोखाधड़ी के दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों को कम आयु वर्ग में प्राप्त किसी भी रैंकिंग, पदक, पुरस्कार या प्रायोजन से वंचित कर दिया जाएगा। वे 2 साल का प्रतिबंध पूरा करने के बाद ही सीनियर (पुरुष और महिला) वर्ग के टूर्नामेंट में भाग लेने के पात्र होंगे।

इसके अतिरिक्त, ऐसे खिलाड़ी जो पहले ही वीएआरएस का लाभ उठा चुके हैं, लेकिन फिर से आयु धोखाधड़ी में लिप्त हैं, उनकी धोखाधड़ी गतिविधियों की पुष्टि होने पर 5 साल के प्रतिबंध का सामना करना पड़ेगा। बीएआई संभावित अपराधियों के लिए एक मजबूत निवारक के रूप में सेवारत, आयु धोखाधड़ी के मामलों की रिपोर्ट करने के लिए समय-समय पर परिपत्र प्रकाशित करेगा।

भारतीय बैडमिंटन संघ खेल की अखंडता और निष्पक्षता को बनाए रखने और वास्तविक खिलाड़ियों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उसे विश्वास है कि यह कदम खेलों में सही नैतिकता को बढ़ावा देने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग 2023 का कार्यक्रम जारी, फाइनल त्रिनिदाद में

नई दिल्ली। महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) 2023 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। डब्ल्यूसीपीएल के दूसरे सीज़न में सात मैच खेले जाएंगे, जिसका फाइनल त्रिनिदाद और टोबैगो में होगा। लीग में तीन टीमें हिस्से लेंगी, प्रत्येक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी, शीर्ष दो फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से शुरू हो रहा है और इसमें भाग लेने वाली तीन टीमें ट्रिनबागो नाइट राइडर्स, बारबाडोस रॉयल्स और गुयाना अमेज़न वारियर्स हैं। टीमों में कैरेबियाई देशों की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा और दुनिया भर से कुछ सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर शामिल होंगी। कैरेबियन प्रीमियर लीग के सीईओ पीट रसेल ने कहा, हम 2023 के लिए विस्तारित डब्ल्यूसीपीएल शेड्यूल को लेकर बेहद उत्साहित हैं और हम 2023 में टूर्नामेंट को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो की सरकार के आभारी हैं। हम इन तीन शानदार टीमों में से एक को 10 सितंबर को त्रिनिदाद और टोबैगो में डब्ल्यूसीपीएल ट्रॉफी उठाते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

खेल और सामुदायिक विकास मंत्री, शम्फ़ा कुडजो ने कहा, एक बार फिर, त्रिनिदाद

और टोबैगो गणराज्य की सरकार कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के साथ साझेदारी करके प्रसन्न है क्योंकि हम 2023 महिला सीपीएल फाइनल मैच की मेजबानी के लिए तैयार हैं। इस खेल की मेजबानी एक उपयुक्त समय पर हो रही है क्योंकि यह मंत्रालय के चल रहे पिंक रेन टीटी अभियान के लक्ष्य के साथ रणनीतिक रूप से संरेखित है, जो खेल में महिलाओं और लड़कियों को बढ़ावा देने की बात करता है। यह न केवल त्रिनिदाद और टोबैगो को प्रदर्शन करने की अनुमति देता है, बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट के प्रति उत्साही लोगों को एक साथ लाकर कैरेबियन की सच्ची भावना प्रदर्शित करता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह महिलाओं और लड़कियों को एक स्वस्थ, अधिक सक्रिय जीवन शैली जीने के लिए प्रोत्साहित करने की सरकार की प्रतिबद्धता के लिए एक वसीयतनामा के रूप में भी काम करता है। इस साल, हम इसमें काम करने के लिए तत्पर हैं और सभी प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों को एक सहज और अविस्मरणीय अनुभव सुनिश्चित कराने के लिए सीपीएल और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर काम करेंगे।

फ्रेंच ओपन : क्वार्टर फाइनल में पहुंचे कैस्पर रूड और होल्गर रूने

पेरिस। फ्रेंच ओपन के पुरुष एकल मुकाबलों में नॉर्वे के कैस्पर रूड और डेनमार्क्क के होल्गर रूने ने अपने-अपने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में रूड और रूने आमने-सामने होंगे। कैस्पर रूड ने रोमांचक मुकाबले में चिली के निकोलस जैरी को सीधे सेटों में 7(7)-6(3), 7-5, 7-5 से परास्त किया। हालांकि चौथी वरीयता प्राप्त रूड को तीन घंटे 20 मिनट तक संघर्ष करना पड़ा। लेकिन आखिकार उन्होंने

जीत दर्ज की। मैच में रूड ने 31 विनर मारने के साथ 38 प्रतिशत यानि 13 में से 8 ब्रेक प्वाइंट अपने नाम किए। अगले चरण में रूड का सामना डेनमार्क के होल्गर रूने से होगा। वहीं, पुरुष एकल के एक अन्य मुकाबले में डेनमार्क के होल्गर रूने ने अर्जेन्टीना के फ्राँसिसको सेरुंडोलो को करीब चार घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। रूने को यह मुकाबला जीतने के लिए पांच राउंड तक संघर्ष करना पड़ा। हालांकि कड़े मुकाबले के बीच रूने ने सेरुंडोलो को 7(7)-6(3), 3-6, 6-4, 1-6 और 7(10)-6(7) से मात दी। रूने ने कुल 48 विनर और 35 लाजवाब ड्रॉप शॉट मारे।

सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे सिंधु, प्रणय

सिंगापुर। गत चैंपियन पीवी सिंधु और एचएस प्रणय सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। सिंधु जहां थाईलैंड में खराब प्रदर्शन के बाद वापसी करना चाहेंगी, वहीं फार्म में चल रहे प्रणय आत्मविश्वास से लबरेज होंगे।

सिंधु के लिए चीजें पहले जैसी नहीं रही हैं क्योंकि उन्हें पिछले साल अगस्त में टखने में चोट लगी थी। वह धीरे-धीरे मैड्रिड स्पेन मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में फाइनल और सेमी-फाइनल के साथ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापस आ रही है, जो इस सीजन में उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। सिंगापुर ओपन के पहले दौर में सिंधु का सामना जापान की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा, जिनके खिलाफ सिंधु का प्रदर्शन कुछ खास नहीं है।

सिंधु का यामागुची के खिलाफ 14-9 का हेड-टू-हेड जीत का रिकॉर्ड है, लेकिन पिछले साल थाईलैंड में दोनों के आमने-सामने होने के बाद से बहुत कुछ बदल गया है और अब सिंधु को यामागुची के खिलाफ कुछ बेहतर करना होगा। दूसरी ओर, प्रणय छह साल के खिताबी सूखे को खत्म करते हुए मलेशिया मास्टर्स में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब

जीतने के बाद टूर्नामेंट में उतर रहे हैं। इस मनोबल बढ़ाने वाली जीत ने प्रणय के लिए भूख बढ़ा दी होगी, जो इस समय भारत के सबसे बेहतरीन एकल खिलाड़ी हैं। हालांकि, चीजें उसके लिए आसान नहीं होंगी क्योंकि वह सर्किट में सबसे रोमांचक प्रतिभाओं में से एक - जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त कोडाई नारोका के खिलाफ पहला मैच खेलेंगे।

थाईलैंड में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले लक्ष्य सेन भी मुख्य ड्रॉ में पहुंचने की उम्मीद कर रहे होंगे लेकिन चीनी ताइपे के पांचवें वरीय चाउ टिएन चेन उनके सामने बड़ी चुनौती होंगे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत अपने शुरुआती दौर में थाईलैंड के कांटाफोन वांगचारोएन से भिड़ेंगे, जबकि ऑस्ट्रेलियन मास्टर्स के विजेता प्रियांशु राजावत का सामना जापान के कांता सुनेयामा से होगा। महिला एकल में लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल थाईलैंड की रातचानोक इंतानोन से भिड़ेंगी, इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अतीत में इस भारतीय को काफी सफलता मिली थी। लेकिन चोटों और उम्र का साइना पर असर पड़ा है और वह पिछले दो मौकों में पूर्व थाई विश्व चैंपियन से आगे नहीं निकल पाई हैं।

पुरुष युगल में, दुनिया के नंबर 4 चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, जिन्होंने पिछले साल फ्रेंच ओपन सुपर 750 जीता था, जापान के अकीरा कोगा और ताइची सैटो के खिलाफ शुरुआत करेंगे, जबकि एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला फ्रांस की लुकास कोर्वी और रोनन लब्बार के खिलाफ उतरेंगे। महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना पहले दौर में हांगकांग की युंग नगा टिंग और चुंग पुई लाम से होगा।

रहाणे के समर्थन में मांजरेकर, कहा- वह पिछली बार जबरदस्त दबाव में थे

नई दिल्ली। लंदन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने अजिंक्य रहाणे का समर्थन किया जो 18-19 महीनों के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। भारत 7 जून से द ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

मांजरेकर ने कहा, 'वह (रहाणे) पिछली बार जबरदस्त दबाव में थे जब वह भारत के लिए खेल रहे थे। यह एक कठिन समय है। जब कोई बल्लेबाज बल्लेबाजी के लिए जाता है, तो वह सोचकर कि यह उसके टेस्ट करियर की आखिरी पारी हो सकती है। यह एक कठिन जगह है। मुझे नहीं लगता कि वह अब उस स्थिति में होंगे क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के बाद का जीवन देख लिया है, लगभग संन्यास ले चुके क्रिकेटर की तरह। अब उन्हें

अवसर मिल गया है, मुझे लगता है कि उनका दिमाग काफी फ्री होगा। उन्होंने कहा, 'लोग सोच सकते हैं कि उनके आईपीएल फॉर्म ने उनके चयन और वापसी में योगदान दिया है। 13 टेस्ट में 20.82 की औसत से सिर्फ 479 रन बनाए। उनका आखिरी टेस्ट शतक एमसीजी में 2020/21 की यादगार बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में आया, जहां उन्होंने 36 रनों की निराशाजनक पारी के बाद भारत की कप्तानी की। रणजी ट्रॉफी 2022-23 में रहाणे ने 11 पारियों में 57.64 की औसत से 634 रन बनाए हैं। उन्होंने उस सीजन में दो शतक भी लगाए थे।' मांजरेकर ने यह भी कहा, 'उनका प्रथम श्रेणी का सीजन भी अच्छा रहा था। इसलिए, हमें वहां कुछ फायदा दिख सकता है। मैं वहां रहा हूं। मुझे भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया। मैंने पहली बार में वर्ग स्तर पर काफी रन बनाए हैं लेकिन जब आप टेस्ट क्रिकेट में वापस आते हैं, तो आपको पता चलता है कि यह पूरी तरह से अलग गेंद का खेल है। इसलिए अजिंक्य रहाणे के पास एक स्वतंत्र दिमाग होगा, लेकिन वह अपना काम भी अलग से करेंगे। टेस्ट क्रिकेट एक अलग गेंद का खेल है और वह एक शीर्ष टीम के खिलाफ खेल रहा है। मुझे नहीं पता कि वह कैसे बल्लेबाजी करने जा रहा है। कुछ संकेत हैं कि वह फॉर्म में वापस आ गया है, लेकिन यह पूरी तरह से अलग परिदृश्य है।'

आईपीएल में मिला अभ्यास भारत के काम आएगा: शास्त्री

लंदन। भारत के पूर्व कोच और कमेंटेटर रवि शास्त्री का कहना है कि द ओवल मैदान की पिच भले ही ऑस्ट्रेलिया के लिए ज्यादा अनुकूल है, लेकिन हाल ही में आईपीएल पूरा करके आई भारतीय टीम मैच अभ्यास के कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए ज्यादा तैयार है। भारत और ऑस्ट्रेलिया बुधवार से होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में आमने-सामने होंगे। खिताबी मुकाबले से पहले अधिकतर भारतीय खिलाड़ी जहां आईपीएल खेलकर आ रहे हैं, वहीं ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से बाहर रहने का फैसला किया था। इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले शास्त्री, रिकी पोंटिंग और वसीम अकरम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एक कार्यक्रम 'आफ्टरनून विद टेस्ट लिजेंड्स'में मैच को लेकर चर्चा की। बतौर कोच भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल 2021 तक ले जाने वाले शास्त्री ने कहा, ''मैं कहूंगा कि अगर आप तेज गेंदबाजी आक्रमण को देखें, अगर बुमराह होते तो मोहम्मद शमी, बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ (मुकाबला) बराबरी का होता। लेकिन स्टार्क, कमिंस के साथ ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण (ज्यादा मजबूत है)। हो सकता है कि मैच फिटनेस से कुछ फर्क पड़े।' उन्होंने कहा, ''हालिया क्रिकेट अभ्यास की जरूरत है। पांच दिनों तक छह घंटे मैदान में रहना हर दिन दो घंटे नेट पर गेंदबाजी करने से अलग है। शमी महत्वपूर्ण हो सकते हैं क्योंकि वह काफी क्रिकेट खेल रहे हैं।'

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 07 जून 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

'केंद्र के 9 साल- सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को रहे समर्पित'

पीआईबी चंडीगढ़ की ओर से रेवाड़ी में मीडिया कार्यशाला-वार्तालाप का हुआ आयोजन, एडीजी राजेन्द्र चौधरी बोले, मीडिया विकासात्मक पत्रकारिता पर रखे, एडीसी ने कहा-सकारात्मक गतिविधियों की जागरूकता में मीडिया की अहम भूमिका

मीडिया शक्तिशाली साधन

खोजी पत्रकारिता पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, मीडिया को विकास पत्रकारिता पर भी ध्यान देना चाहिएः राजेन्द्र चौधरी

टीम एक्शन इंडिया/रेवाड़ी

केंद्र सरकार के 9 साल-सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। विकासात्मक रूप से आमजन तक को लाभांवित करने की दिशा में उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी देने के उद्देश्य से मंगलवार को रेवाड़ी जिला मुख्यालय पर प्रेस इंफोर्मेशन ब्यूरो चंडीगढ़ की ओर से मीडिया कार्यशाला के तहत वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वार्तालाप में रेवाड़ी के एडीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए जबकि कार्यशाला की अध्यक्षता पीआईबी चंडीगढ़ के अतिरिक्त महानिदेशक राजेन्द्र चौधरी ने की। कार्यशाला में एसडीएम बावल जितेंद्र कुमार, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता वंदना पोपली बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। वार्तालाप का उद्देश्य पीआईबी और जिला और उप जिला स्तर पर काम करने वाले पत्रकारों के बीच सीधा संपर्क स्थापित करना था। वार्तालाप में अतिरिक्त महानिदेशक (क्षेत्र) पीआईबी चंडीगढ़ राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि सूचना के प्रसार के लिए मीडिया सबसे शक्तिशाली साधन है। खोजी पत्रकारिता पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, मीडिया को विकास पत्रकारिता पर भी ध्यान देना चाहिए और जमीन से सफल और सकारात्मक कहानियों पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर रिपोर्टिंग से पहले पत्रकारों के लिए मीडिया नैतिकता और आचार संहिता पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाएं सभी मोर्चों पर आगे बढ़ रही हैं और आने वाले समय में यह क्षेत्र मीडिया के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में महिलाओं की अधिक सक्रिय भागीदारी का गवाह बनेगा। इस अवसर पर श्री चौधरी ने 9 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के तहत विभिन्न योजनाओं पर एक प्रस्तुति पेश की । पत्रकारों को संबोधित करते हुए, श्री चौधरी ने यह भी दोहराया कि पत्रकारों को विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा साझा की गई जानकारी को बढ़ाना चाहिए और जनता के बीच विकास के संदेश को प्रसारित करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने पीआईबी फैक्ट चेक के बारे में भी बात की, जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय की पीआईबी और अन्य संबद्ध मीडिया इकाइयों के कामकाज के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति देते हुए बताया कि विभाग फर्जी खबरों को नकारने में मदद कर सकता है। आज के समय में सोशल मीडिया के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, सोशल मीडिया अब सूचना प्रसार के लिए एक अत्यंत शक्तिशाली उपकरण है। हालांकि, हमें फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं से सावधान रहना चाहिए और हमें केवल सत्यापित जानकारी ही साझा करनी चाहिए। इस के लिए ADG राजिंदर चौधरी ने पीआईबी की फैक्ट चेक सुविधा के इस्तेमाल पर बल दिया। एडीसी स्वप्रिल रविंद्र पाटिल ने वार्तालाप के दौरान पीआईबी चंडीगढ़ के प्रयासों की सराहना की, जिसे उन्होंने मीडिया और सरकार के बीच संवाद के लिए सबसे अच्छा मंच करार दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के नाते मीडिया सरकार की आंख और कान के रूप में कार्य करता है और जमीनी स्तर पर सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक प्रतिक्रिया प्राप्त करने और चिंताओं को दूर करने के लिए इस तरह का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया दोधारी तलवार की तरह काम करता है और यह मीडिया पर निर्भर है कि वह सकारात्मक और विकासात्मक कहानियों को जन-जन तक पहुंचाए या नहीं और मीडिया को रचनात्मक रिपोर्टिंग के लिए खुद का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सकारात्मक गतिविधियों की जागरूकता में मीडिया की अहम भूमिका है।

'सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करें'

केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के जेएमसी विभाग के अध्यक्ष डा.अशोक शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक बहुत ही व्यावहारिक सत्र प्रस्तुत किया और कहा कि सोशल मीडिया मुख्यधारा के मीडिया के साथ दर्शकों के एकीकरण के माध्यम से सामाजिक विकास को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रामाणिक जानकारी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग किया जाना चाहिए। डा. अशोक कुमार ने सूचना की गुणवत्ता पर जोर दिया, जिससे दुनिया के लिए गुणवत्तापूर्ण लोग और जागरूक नागरिक बन सकते हैं। केवल मीडिया साक्षर लोग ही फेक न्यूज और गलत सूचना के खिलाफ लड़ सकते हैं। विश्वसनीय और प्रामाणिक सूचना और मीडिया प्लेटफॉर्म ही लोकतंत्र को मजबूत कर सकते हैं। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी रेवाड़ी दिनेश कुमार ने प्रेस सूचना ब्यूरो के प्रयास की सराहना की और कहा कि ज्यादातर मीडिया घटनाओं के कवरेज में शामिल होने के विपरीत, आज पीआईबी ने उन्हें इवेंट का स्टार बनने का अवसर दिया है और ऐसा बेहतर समन्वय के लिए क्षेत्र में मीडिया कार्यशालाओं की नियमित रूप से मदद की जानी चाहिए। उन्होंने विभाग की ओर से लोक शैली में भजन पार्टी के माध्यम से ग्रामीण परिवेश तक सरकार की नीतियों को पहुंचाने बारे विस्तार से जानकारी दी।

समाज के प्रति जिम्मेदारी

सूचना की गुणवत्ता पर जोर दिया, जिससे दुनिया के लिए गुणवत्तापूर्ण लोग और जागरूक नागरिक बन सकते हैं

शिक्षा विभाग से डा.ज्योत्स्ना यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में बताया कि यह नीति 21वीं सदी के विद्यार्थियों के आकांक्षात्मक लक्ष्यों के साथ व्यावसायिक शिक्षा के सभी पहलुओं को संशोधित और नया रूप दे रही है। उप सिविल सर्जन डा.अशोक कुमार ने वार्तालाप के दौरान रेवाड़ी में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस योजना के कारण लोगों को संस्थागत प्रसव का विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। सीयू हरियाणा की डा. मोना शर्मा ने वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मीडिया की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि मीडिया को पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए सतत विकास लक्ष्यों को उजागर करना चाहिए। उन्होंने बताया कि बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन पर्यावरण दिवस 2023 का विषय है। चूंकि प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है, इसलिए इसे हल करने के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

अहमद खान , फील्ड प्रचार अधिकारी, पीआईबी चंडीगढ़ ने मीडिया और अतिथियों का स्वागत किया और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के 60 से अधिक पत्रकारों ने कार्यशाला में भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए और विभिन्न मुद्दों पर इनपुट प्रदान किए। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का आयोजन आम नागरिकों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में पत्रकारों को जागरूक करने के लिए किया गया। तकनीकी सत्रों के बाद इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र हुआ। पत्रकारों ने अपने विचार व्यक्त किए, और रचनात्मक फीडबैक प्रदान की। पत्रकारों ने कार्यशाला आयोजित करने के लिए पीआईबी को भी धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि भविष्य में इस तरह की और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

कर्नाटक में भाजपा गायें लेकर सड़कों पर उतरी

मंत्री के. वेंकटेश ने कहा था- भैंसे काटी जा सकती हैं तो गायें क्यों नहीं

टीम एक्शन इंडिया/बेंगलुरु

कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार के मंत्री के. वेंकटेश ने कहा कि जब भैंसों को काटा जा सकता है तो गाय को क्यों नहीं काटा जा सकता? वेंकटेश के इस बयान के विरोध में बेंगलुरु में भाजपा कार्यकर्ता गायों के साथ सड़कों पर उतर आए हैं। कार्यकर्ताओं ने राज्य की कांग्रेस सरकार को हिंदू विरोधी बताया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कांग्रेस का यह बयान अपमानजनक है। मंत्री को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब हमारी सरकारी थी तो गोहत्या विरोधी कानून लाई थी। अब कांग्रेस उसे निरस्त करना चाहती है, तभी ऐसे बयान दे रही है। इस पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि गौहत्या के विरोध में भाजपा सरकार ने जो कानून लाई थी, उसमें स्पष्टता की कमी। इस वजह से अगली कैबिनेट मीटिंग में हम कानून की समीक्षा करेंगे। बीजेपी ने कर्नाटक सरकार पर उसकी 5 गारंटी योजनाओं को भी अभी तक लागू नहीं करने का आरोप लगाया। हम भाजपा सरकार की तरफ से लाए गए गोहत्या विरोधी कानून की समीक्षा करेंगे।

विरोधी बताया

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कांग्रेस का यह बयान अपमानजनक है। मंत्री को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए

छात्राओं को बोलोरो ने रौंदा, आधा दर्जन घायल

बेतियाः पश्चिमी चंपारण जिला के लौरिया कोचिंग में मंगलवार को पढ़ने के लिए साइकिल से जा रही छात्राओं को अनियंत्रित बोलेरो ने पीछे से धक्का मार दिया। जिसमें आधा दर्जन लड़कियों सहित एक मजदूर घायल हो गया।

सभी घायलों को इलाज कराने के लिए लौरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर राहगीरों के सहयोग से पुलिस ले गई। घटना मंगलवार की सुबह सवा पांच बजे एनएच 727 के बेतिया लौरिया मार्ग में हीरो बाइक एजेंसी के पास की है।

शिक्षिका ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रयागराजः नगर के कर्नलगंज थानान्तर्गत भारद्वाज आश्रम के पीछे रहने वाली एक शिक्षिका ने आज फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस बात की जानकारी जब उसके पति को हुई तो वह भी आत्महत्या करने के लिए कमरा बंद कर फांसी लगाने लगा। परिवार के लोगों ने किसी तरह उसे बचाया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। भारद्वाज आश्रम के पीछे रहने वाले दिलीप गौड़ डाक विभाग रायबरेली में कार्यरत हैं। उनकी बेटी सुरभि गौड़ (25) बीएड की पढ़ाई कर रही थी। साथ ही जगत तारन प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्यरत थी। 01 नवम्बर, 2021 को उसने मोहल्ले के रहने वाले प्रशांत गोस्वामी के साथ कोर्ट मैरिज की थी। शादी के बाद से ज्यादातर समय वह अपने मायके में रहती थी। मंगलवार को उसकी मां राजेश्वरी गौड़ कमरे में झाड़ू लगाने गई तो देखा दरवाजा खुला हुआ है। अंदर सुरभि पंखे में साड़ी के फंदे से लटक रही है। यह देख मां की चीख निकल गई। परिवार के लोग भी आ गए। पुलिस को खबर दी गई। उसके ससुराल वालों को बताया गया। जब घटना ससुराल वालों को पता चली तो उसके पति प्रशांत गोस्वामी ने भी आत्महत्या करने के लिए कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। उसके घरवालों ने किसी तरह से दरवाजा खोलकर उसे बाहर निकाला। उसके बाद पुलिस ने सुरभि के कमरे का निरीक्षण किया। जांच-पड़ताल करने के बाद उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घरवालों का कहना है कि रविवार की रात में सुरभि और उसके बीच फोन पर किसी बात को लेकर बहस हुई थी।

संदिग्ध एक अफसर बोला- काम चल रहा था, कुछ गड़बड़ हुई और ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई

ओडिशा हादसाः टीएमसी ने रेल अफसरों का ऑडियो पोस्ट किया

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता

2 जून को ओडिशा के बालासोर में दो सुपरफास्ट एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी की टक्कर हुई, जिसमें 278 लोगों की मौत हो गई। घटना के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है, लेकिन कुछ बयान और घटनाक्रम ऐसे हैं, जिसे लेकर राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। घटना के ठीक दूसरे दिन 3 जून शाम 5:53 बजे तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने सोशल मीडिया पर एक मिनट 48 सेकेंड का ऑडियो शेयर किया। इसमें दो रेल अधिकारी एक-दूसरे से घटना पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें एक साउथ वेस्ट रेलवे के प्रिंसिपल चीफ सेफ्टी ऑफिसर हैं। दूसरी ओर साउथ ईस्टर्न रेलवे के डिप्टी चीफ सेफ्टी ऑफिसर अशोक अग्रवाल हैं। हालांकि उन्होंने ऑडियो की पुष्टि नहीं की है।

भाजपा ने कहा- ऑडियो की जांच होः पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस ऑडियो को लेकर सवाल उठाए हैं। अधिकारी ने कहा- यह कॉल रिकॉर्ड जो टीएमसी नेता ने साझा किया है, जहां रेलवे के दो अधिकारी बोल रहे हैं, इसकी जांच की जानी चाहिए? घोष के पास ये ऑडियो कैसे पहुंचा? क्या कोलकाता पुलिस ने टीएमसी के कहने पर ये कॉल रिकॉर्ड करवाए हैं?

रेलवे तो ऐसे ऑडियो लीक नहीं करेगा। उन्होंने कहा- ट्रेन हादसे की जांच सीबीआई कर रही है। मैं कोशिश करूंगा कि तृणमूल कांग्रेस के नेता के इस कॉल लीक केस को भी सीबीआई अपनी जांच में शामिल करे। अगर तब भी कुछ नहीं होता है, तो मैं अदालत का रुख करूंगा।